राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 338 | जौनपुर | सोमवार, 28 जलाई 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

ऑपरेशन सिंदूर पर 32 घंटे की बहस शुरू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र के पाँचवें दिन भी केंद्र और विपक्ष के बीच गतिरोध जारी रहने के बीच, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को एक सर्वदलीय बैठक बुलाई, जिसमें विपक्षी दलों ने पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर सोमवार को लोकसभा और उसके अगले दिन राज्यसभा में विशेष चर्चा कराने के एजेंडे पर सहमति जताई, जिससे दोनों सदनों में सामान्य स्थिति की संभावना बढ़ गई है।मीडिया को जानकारी देते हुए, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि श्पहलगाम में हुए आतंकी हमले और उसके जवाब में भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा किए गए ऑपरेशन सिंदूरश पर विशेष चर्चा शुरू करने के निर्णय पर अध्यक्ष ओम बिरला की अध्यक्षता में विभिन्न दलों के नेताओं की बैठक में सहमति बनी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री एस जयशंकर के लोकसभा में बोलने की उम्मीद है, ऐसे संकेत हैं कि प्रधानमंत्री मोदी इस बहुप्रतीक्षित बहस का इस्तेमाल विपक्ष पर दबाव बनाने के लिए कर सकते हैं, जो कथित खुफिया विफलताओं और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत और पाकिस्तान के बीच ष्युद्धविरामष की मध्यस्थता के दावों को लेकर सरकार को घेरने की कोशिश कर रहा है।विपक्ष की ओर से, विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस नेता गौरव गोगोई, मनीष तिवारी, सपा के अखिल यादव, राकांपा की सुप्रिया सुले है।

स्मृति वाटिक हमारी सेना का शौर्य का प्रतीक : सीएम योगी

लखनऊ, (एजेंसी)। कारगिल विजय दिवस 2025 के अवसर पर लखनऊ की कारगिल शहीद स्मृति वाटिका में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शहीद जवानों को पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके परिजनों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज का दिन भारत के महान वीर सपूतों को याद करने का दिन है। इस दिन भारत ने ऑपरेशन विजय को पूर्ण करते हुए पाकिस्तान को धूल चटाकर दुनिया को हैरान कर दिया था। हम भारत के उन वीर सपूतों को नमन करते हैं। ये दिन भारत की सेना के शौर्य का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि कारगिल युद्ध पाकिस्तान ने भारत पर थोपा था जिसका मुंहतोड़ जवाब हमारे वीर जवानों ने दिया। कारगिल एक चुनौतीपूर्ण जगह थी जहां का तापमान माइनस 50 डिग्री होता है। इस बेहद चुनौतीपूर्ण हालात में भी हमारे जवानों ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए पाकिस्तान के कायरों को धूल चटा दी। उस समय पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ अमेरिका गए और भारत पर दबाव डालने की कोशिश पर तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा कि अमेरिका हो या दुनिया की कोई भी ताकत भारत किसी के सामने नहीं झुकेगा।

कारगिल विजय दिवस सैनिकों को भावभीनी श्रद्धांजलि : द्रौपदी मुर्मू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कारगिल युद्ध में साहस और वीरता के साथ लड़ने वाले सैनिकों के बलिदान को याद किया। इस संबंध में उन्होंने अपने एक्स पेज पर एक पोस्ट में लिखा, ष्कारगिल विजय दिवस के अवसर पर, मैं मातृभूमि के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर सैनिकों को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करती हूँ। यह दिन हमारे सैनिकों के असाधारण साहस, वीरता और दृढ़ निश्चय का प्रतीक है। राष्ट्र के लिए उनका समर्पण और सर्वोच्च बलिदान सदैव लोगों को प्रेरित करता रहेगा। शोक व्यक्त न करने के लिए च्ड मोदी की आलोचना की शुक्रवार को, 1999 के कारगिल युद्ध में सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैनिकों के परिवार द्रास क्षेत्र स्थित कारगिल युद्ध स्मारक पर सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के

लिए एकत्रित हुए। भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता और बलिदान के सम्मान में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में शहीद सैनिकों के परिजनों ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। 1999 में, भारत ने पाकिस्तान के साथ कारगिल युद्ध जीता था। कारगिल विजय दिवस हर साल 26 जुलाई को उन सैनिकों के सम्मान में मनाया जाता है जिन्होंने इस युद्ध में भाग लिया और देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। यह दिन देशवासियों के हृदय में गौरव और पवित्र स्मृतियों के साथ अंकित है। कारगिल युद्ध गहन राजनीतिक, सैन्य और कूटनीतिक युद्धाभ्यासों का इतिहास है। यह युद्ध अपने रणनीतिक और सामरिक आश्चर्यों, युद्ध को कारगिल–सियाचिन क्षेत्र तक ही सीमित रखने की स्व–निर्धारित राष्ट्रीय नियंत्रण रणनीति और शीघ्रता से क्रियान्वित की गई त्रि–सेना सैन्य रणनीति के लिए सदैव याद किया जाएगा।

प्राइमरी शिक्षा को बर्बाद कर रही भाजपा, स्कूल बंद कर संविधान को कर रही कमजोर – अखिलेश यादव

लखनऊ, (एजेंसी)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा बुनियादी और प्राइमरी शिक्षा को बर्बाद कर रही है। गरीबों को शिक्षा से दूर कर षड्यंत्र कर रही है। भाजपा सरकार स्कूलों को बंद कर संविधान को कमजोर कर रही है। अखिलेश ने जारी बयान में कहा कि संविधान के तहत ही शिक्षा का अधिकार का कानून

है। भाजपा स्कूलों को बंद कर संविधान और कानून से मिले शिक्षा के अधिकार को छीन रही है। जब स्कूल और शैक्षिक संस्थान बंद हो जाएंगे तो गरीब और पीडीए परिवार के बच्चे कहां पढ़ने जाएंगे। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में किसी की सुनवाई नहीं है। खुद भाजपा के लोगों को न्याय नहीं मिल रहा है। डिप्टी सीएम तक को डांटा जा रहा है। प्रदेश सपा मुख्यालय समेत सभी जिला कार्यालयों पर पूर्व सांसद फूलन देवी की पुण्यतिथि सादगी से मनाई गई। प्रदेश सपा मुख्यालय पर राष्ट्रीय सचिव राजेंद्र चौधरी ने फूलन देवी के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। उन्होंने कहा कि फूलन देवी अन्याय व अत्याचार के कारण बागी बनीं और सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव ने ने फूलन देवी को सांसद बनाकर उन्हें नई पहचान दी।

राष्ट्रीय सुरक्षा बैठक में शाह ने दिए अहम निर्देश

नई दिल्ली , (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आतंकवादी समूहों द्वारा एन्क्रिप्टेड संचार प्लेटफार्मों का इस्तेमाल करने पर चिंता जताई और साथ ही इस समस्या से निपटने के लिए एक विशेष मंच स्थापित करने के निर्देश दिए ताकि आतंकी संगठनों के सोशल मीडिया के जरिए खुफिया संचार पर लगाम कसी जा सके। गृह मंत्री ने भगोड़ों को वापस लाने के लिए भी एक मजबूत तंत्र और बेहतर समन्वय स्थापित करने की अपील की। गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय 8वें राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में ये बातें कही। इस सम्मेलन में देशभर से 800 के करीब अधिकारियों ने भाग लिया, जिनमें से कुछ भौतिक तो कुछ

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े थे। इस सम्मेलन में राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर विचार विमर्श किया गया। सम्मेलन के पहले दिन राष्ट्र के हितों के खिलाफ रहने वाले बाहरी तत्वों की भूमिका और मादक पदार्थों के व्यापार में उनकी संलिप्तता सहित उनके घरेलू संबंधों के मुद्दे पर मंथन हुआ। इनमें आतंकी समूहों द्वारा इस्तेमाल की जानी वाली एन्क्रिप्टेड संचार ऐप्स और अन्य नई तकनीकों के गलत इस्तेमाल से पैदा हुई चुनौतियों पर बात हुई। साथ ही भीड़ प्रबंधन, निर्जन द्वीपों की सुरक्षा के मुद्दे पर मंथन हुआ। आतंकवाद के वित्तपोषण से मुद्दों पर भी विचार–विमर्श किया गया। गृह मंत्री ने आतंकवादी और तस्करी गतिविधियों में शामिल भगोड़ों को वापस लाने के लिए कड़े उपाय करने के भी निर्देश दिए, जिसमें केंद्रीय और राज्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच अंतर–एजेंसी समन्वय को बढ़ाने, आतंकवाद–अपराधी के घरेलू गठजोड़ को तोड़ने के निर्देश दिए। गृह मंत्रालय ने यह भी सुनिश्चित करने के लिए कहा कि पुलिस संगठनों द्वारा केवल स्वदेशी तकनीक का ही उपयोग किया जाए। सम्मेलन के दूसरे दिन नागरिक उड्डयन और बंदरगाह सुरक्षा, आतंकवाद–निरोध, वामपंथी उग्रवाद और मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम के मुद्दे पर केंद्रित होगा। इस बैठक में भाग लेने वाले वरिष्ठ अधिकारियों में, केंद्रीय गृह सचिव, उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों व केंद्रीय पुलिस संगठनों के प्रमुख शामिल रहे। साल 2016 में डीजीएसपी और आईजीएसपी सम्मेलन के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर साल राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन आयोजित करने का निर्देश दिया था,।

कांग्रेस ओबीसी की विश्वासपात्र पार्टी नहीं - मायावती

लखनऊ, (एजेंसी)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर बयान जारी कर कहा कि कांग्रेस ओबीसी समाज की

विश्वासपात्र पार्टी नहीं है। कांग्रेस के दिल में कुछ है जुबान पर कुछ है। उन्होंने कहा कि एनडीए का भी ओबीसी के प्रति यही हाल है। मायावती के बयान को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के उस बयान के संदर्भ में देखा जा रहा है जिसमें उन्होंने कहा था कि सत्ता में रहते हुए जाति जनगणना न करवाना कांग्रेस की गलती थी। आगे उन्होंने ये भी कहा था कि जो काम ओबीसी के लिए अब तक नहीं कर पाया उसे दोगुनी स्पीड से करूंगा। मायावती ने बयान दिया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष द्वारा यह स्वीकार करना कि देश के विशाल आबादी वाले अन्य पिछड़े वर्ग (ओबीसी) समाज के लोगों की राजनीतिक व आर्थिक आशा, आकांक्षा व आरक्षण सहित उन्हें उनका संवैधानिक हक दिलाने के मामलों में कांग्रेस पार्टी खरी व विश्वासपात्र नहीं रही है कोई नई बात नहीं है, बल्कि यह दिल में कुछ व जुबान पर कुछ और जैसी स्वार्थ की राजनीति ज्यादा लगती है। वास्तव में उनका यह बयान उसी तरह से जगजाहिर है जैसाकि देश के करोड़ों शोषित, वंचित व उपेक्षित एससीध्एसटी समाज के प्रति कांग्रेस पार्टी का ऐसा ही दुखद व दुर्भाग्यपूर्ण रवैया लगातार रहा है और जिस कारण ही इन वर्गों के लोगों को फिर अन्ततः अपने आत्मसम्मान व स्वाभिमान तथा अपने पैरों पर खड़े होने की ललक के कारण अलग से अपनी पार्टी बहुजन समाज पार्टी बनानी पड़ी है। कुल मिलाकर इसके परिणामस्वरूप कांग्रेस पार्टी यूपी सहित देश के प्रमुख राज्यों की सत्ता से लगातार बाहर है और अब सत्ता गंवाने के बाद इन्हें इन वर्गों की याद आने लगी है जिसे इनकी नीयत व नीति में हमेशा खोट रहने की वजह से घड़ियाली आंसू नहीं तो और क्या कहा जाएगा, जबकि वर्तमान हालात में बीजेपी के एनडीए का भी इन वर्गों के प्रति दोहरे चरित्र वाला यही चाल–ढाल लगता है। उन्होंने आगे कहा कि वैसे भी एससीध्एसटी वर्गों को आरक्षण का सही से लाभ व संविधान निर्माता परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर को भारतरत्न की उपाधि से सम्मानित नहीं करने तथा देश की आजादी के बाद लगभग 40 वर्षों तक ओबीसी वर्गों को आरक्षण की सुविधा नहीं देने तथा सरकारी नौकरियों में इनके पदों को नहीं भरकर उनका भारी बैकलॉग रखने आदि के जातिवादी रवैयों को भला कौन भुला सकता है, जो कि इनका यह अनुचित जातिवादी रवैया अभी भी जारी है। इतना ही नहीं बल्कि इन सभी जातिवादी पार्टियों ने आपस में मिलकर एससी, एसटी व ओबीसी आरक्षण को किसी ना किसी बहाने से एक प्रकार से निष्क्रिय एवं निष्प्रभावी ही बना दिया है। इस प्रकार दलितों, आदिवासियों व अन्य पिछड़ों के बहुजन समाज को सामाजिक, पार्टियां हमेशा से एक ही थैली के चट्टे–बट्टे रहे हैं।

सैनिकों का बलिदान हर पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा : पीएम मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कारगिल युद्ध में हमारे सैनिकों द्वारा दिया गया बलिदान हर पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि विजय दिवस हमें भारत माता के वीर सपूतों के अद्वितीय शौर्य और पराक्रम की याद दिलाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कारगिल विजय दिवस के अवसर पर कारगिल युद्ध में साहस और वीरता के साथ लड़ने वाले सैनिकों के बलिदान को याद किया। इस संबंध में उन्होंने अपने एक्स पेज पर एक पोस्ट में लिखा मोदी की आलोचना की कारगिल विजय दिवस पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ। यह अवसर हमें भारत माता के उन वीर सपूतों के अद्वितीय शौर्य और पराक्रम की याद दिलाता है जिन्होंने कारगिल युद्ध में देश के गौरव की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया, ष्मातृभूमि के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने की उनकी इच्छाशक्ति हर पीढ़ी को प्रेरित करती रहेगी।ष्ष्जय हिंद!ष् 1999 में, भारत ने पाकिस्तान के साथ कारगिल युद्ध जीता था। कारगिल विजय दिवस हर साल 26 जुलाई को उन सैनिकों के सम्मान में मनाया जाता है जिन्होंने इस युद्ध में भाग लिया और देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। यह एक ऐसा दिन है जो देशवासियों के हृदय में गर्व और पवित्र स्मृतियों के साथ अंकित है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 1999 के करगिल युद्ध में अपने प्राणों की आहुति देने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि देते हुए शनिवार को कहा कि विजय दिवस देश के जवानों की असाधारण वीरता और दृढ़ निश्चय का प्रतीक है। मुर्मू ने कहा कि राष्ट्र के प्रति जवानों का समर्पण और सर्वोच्च बलिदान देशवासियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। मुर्मू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''करगिल विजय दिवस के अवसर पर मैं मातृभूमि के लिए प्राण न्योछावर करने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं।

कारगिल, ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल उठाना पाप है : शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को कांग्रेस पार्टी पर पाकिस्तान की भाषा बोलने और कारगिल विजय दिवस पर बेवजह ष्सवाल उठाने का आरोप लगाते हुए तीखा हमला बोला। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का विरोध करने की कोशिश में कांग्रेस देश का ही विरोध कर रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, कांग्रेस कारगिल विजय दिवस पर भी सवाल उठाती है । 2004 से 2009 तक, जब यूपीए सत्ता में थी, कारगिल विजय दिवस नहीं मनाया गया। यहां तक कि एक कांग्रेस सांसद ने कहा था कि हमें क्यों जश्न मनाना चाहिए? वह युद्ध एनडीए सरकार के दौरान लड़ा गया था। जब देश युद्ध लड़ता है, तो क्या वह सरकार के लिए करता है? क्या इस तरह के सवाल उठाना देशभक्ति है? कांग्रेस न केवल कारगिल बल्कि ऑपरेशन सिंदूर पर भी सवाल उठाने का पाप कर रही है। मोदी की आलोचना की केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि कांग्रेस का रवैया राष्ट्र–विरोधी होने की सीमा तक पहुंच गया है और कहा कि

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हमेशा सैनिकों की बहादुरी का सम्मान किया है। उन्होंने कहा, कांग्रेस का यह रवैया राष्ट्र–विरोधी होने की हद तक जाता है। प्रधानमंत्री का विरोध करते–करते उन्होंने देश का ही विरोध करना शुरू कर दिया। वे पाकिस्तान की भाषा बोलते हैं। लेकिन हम अपने सैनिकों की बहादुरी के आगे नतमस्तक हैं।चौहान कांग्रेस नेता राशिद अल्वी द्वारा 2009 में की गई उस टिप्पणी का जिक्र कर रहे थे , जिसमें उन्होंने कहा था कि ष कारगिल जश्न मनाने की चीज नहीं हैष और ष एनडीए जश्न मना सकता है।ष उन्होंने कहा था कि चूँकि युद्ध प्रधानमंत्री अटल वाजपेयी के नेतृत्व में हुआ था, इसलिए यह पूरे देश की नहीं, बल्कि गठबंधन की जीत थी। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर भी हमला बोलते हुए ।

पूर्व सांसद ने राहुल गांधी की बाबासाहेब आंबेडकर से की तुलना

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद उदित राज ने शनिवार को अपने एक बयान में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तुलना संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर से की। उदित राज ने कहा कि अगर अन्य पिछड़ा वर्ग उस बात को सुनता है, जो राहुल गांधी ने भागीदारी न्याय सम्मेलन के दौरान कही, तो राहुल गांधी इस बात को साबित कर देंगे कि वे ओबीसी वर्ग के दूसरे आंबेडकर हैं। कांग्रेस नेता उदित राज ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि श्तेलंगाना में हुई जाति जनगणना समाज का एक्स–रे है। राहुल गांधी का उद्देश्य इसे देशभर में कराने का है। उनके विचार दूरदर्शी हैं। अगर दलित और पिछड़ा वर्ग के लोग आगे आएं तो हमारी अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। समाज में जो असमानता है, वह कम होगी। अगर पिछड़ा वर्ग के लोग उसे समझने की कोशिश करें, जो राहुल गांधी कह रहे हैं तो राहुल गांधी इस बात को साबित कर देंगे कि वे उनके लिए दूसरे आंबेडकर हैं। उदित राज ने लिखा कि पिछड़ा वर्ग को यह सोचना होगा कि इतिहास उन्हें विकास का मौका बार–बार नहीं देगा। उन्होंने उस बात को मानना चाहिए और इसका समर्थन करना चाहिए, जो राहुल गांधी ने तालकटोरा स्टेडियम में हुए सम्मेलन में कही। अगर वे ऐसा करते हैं तो राहुल गांधी उनके लिए दूसरे आंबेडकर साबित होंगे। शुक्रवार को दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में कांग्रेस ने ओबीसी नेतृत्व

भागीदारी न्याय सम्मेलन का आयोजन किया। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि मुझे राजनीति करते हुए 21 साल हो गए हैं। जब मैं पीछे देखता हूं और खुद का आत्मनिरिक्षण करता हूं। मैंने कहां–कहां सही काम किया और कहां कमी रही, तो दो तीन बड़े मुद्दे दिखते हैं। मैंने जमीन अधिग्रहण कानून बनाया, मनरेगा लेकर आया और नियमगिरी की लड़ाई लड़ी। ये काम मैंने ठीक किए...चाहे वह आदिवासियों, दलितों और अल्पसंख्यकों की बात हो तो मुझे अच्छे नंबर मिलने चाहिए, महिलाओं के मुद्दे पर सही नंबर मिले चाहिए। राहुल गांधी ने पिछड़ा वर्ग को लेकर कहा कि श्अगर मैं अपनी कमी की बात करता हूं तो मैंने एक गलती की है, जो ओबीसी वर्ग है उसकी जिस तरह से मुझे रक्षा करनी चाहिए थी, वह मैंने नहीं की। इसका कारण था, आपके जो मुद्दे थे उस समय, मुझे गहराई से समझ नहीं आए। 10–15 साल पहले जो दिक्कतें दलितों के सामने थी वह मुझे समझ आ गई। आदिवासियों के मुद्दे भी आसानी से समझ आ जाते हैं, लेकिन ओबीसी के मुद्दे आसानी से नहीं दिखते हैं, वह छुपे रहते हैं। अगर मुझे आपकी दिक्कतों के बारे में थोड़ा सा भी पता होता तो मैं उसी समय जाति जनगणना करवा देता। यह कांग्रेस की गलती नहीं बल्कि मेरी गलती है। वो मेरी गलती है, जिसे मैं ठीक करने जा रहा हूं। ये एक तरह से अच्छा ही हुआ,।

संपादकीय

भारत का ग्रामीण विकास

भारत के लिए जरूरी है। प्रतीकात्मक और रणनीतिक दोनों ही इशारों में, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 6 जुलाई को विश्व ग्रामीण विकास दिवस घोषित किया, जो 2030 एजेंडा फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। यह घोषणा, अंतरराष्ट्रीय एकजुटता की भावना में डूबी, ग्रामीण गरीबी की गहरी जड़ें चुनौती और इसे आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय स्थिरता के व्यापक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एक पूर्व शर्त के रूप में संबोधित करने की आवश्यकता को स्वीकार करती है। भारत जैसे देश में जहां इसकी अधिकांश आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है, ग्रामीण जीवन या विकास महत्वपूर्ण है। यह न केवल भारत में है बल्कि अधिकांश विकासशील देशों में बहुसंख्यक ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं। हमें ग्रामीण विकास के महत्व को जानने की जरूरत है और यह हमारे लिए स्थायी परिवर्तन लाने में कैसे मदद करता है। यह ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की आर्थिक और सामाजिक भलाई में सुधार पर केंद्रित एक व्यापक प्रक्रिया है। यह गांवों और अन्य उप शहरी क्षेत्रों में आजीविका, बुनियादी ढांचे और सामाजिक परिवर्तन को बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न पहलों को शामिल करता है। ग्रामीण विकास ग्रामीण भारत में रहने वाले लोगों की आर्थिक और सामाजिक भलाई में सुधार पर केंद्रित है, जो देश की आबादी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसमें कृषि विकास, बुनियादी ढांचा निर्माण, सामाजिक बुनियादी ढांचे के विकास और स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंच में सुधार जैसे विभिन्न पहलू शामिल हैं। ग्रामीण विकास भारत की समग्र प्रगति के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह आबादी के एक बड़े हिस्से की जरूरतों को संबोधित करता है और राष्ट्रीय आय और रोजगार में महत्वपूर्ण योगदान देता है। वैश्विक घोषणाओं और संकल्पों के एक वंश से आकर्षित करना – मानव अधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा से लेकर अदीस अबाबा लोगों के जीवन और संघर्षों पर निरंतर प्रकाश डालना चाहता है जो मिट्टी तक, समुद्र की कटाई करते हैं, और पोषण करते हैं दुनिया के ग्रामीण कोनों में भूमि। पुरानी पीढ़ियों को हैरान कर दिया विश्व ग्रामीण विकास दिवस का अवलोकन, जैसा कि उल्लिखित है, केवल औपचारिक इशारे के रूप में नहीं है, बल्कि सार्थक कार्रवाई के लिए उत्प्रेरक के रूप में है। सरकारों, नागरिक समाज, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और शैक्षणिक संस्थानों को ठोस गतिविधियों, नीतिगत बातचीत और जमीनी पहल के माध्यम से वार्षिक स्मरणोत्सव में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाता है। स्वैच्छिक योगदान और स्थानीय रूप से संचालित रणनीतियों पर स्पष्ट जोर देने के साथ, संकल्प इस दिन को ग्रामीण आवाजों को ऊंचा करने, विकास के प्रयासों को गैल्वनाइज करने और दुनिया के सामूहिक वादे को नवीनीकृत करने की शक्ति के साथ सौंपता हैरू किसी को पीछे नहीं छोड़ना, यहां तक कि सबसे दूरस्थ और भूल गए स्थानों में भी नहीं पृथ्वी। ग्रामीण विकास उन लोगों के लिए एक कैरियर विकल्प हो सकता है जो अपने आसपास सामाजिक परिवर्तन लाने का सपना देखते हैं। उन उम्मीदवारों के लिए विकल्प और अवसर हैं जो प्रतिबद्ध हैं और योग्य भी हैं। ग्रामीण विकास से संबंधित कई पाठ्यक्रम हैं। ग्रामीण विकास पेशेवर विकासशील योजनाओं और गतिविधियों की योजना बनाकर और निगरानी करके और सरकारों या अन्य विकास एजेंसियों के विभिन्न लक्ष्यों को बढ़ाकर गांवों को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

नये अवसरों के सृजन को गंभीर पहल जरूरी

सागर

इस समय देशभर में मिशन मोड में नई सरकारी नियुक्तियां करने और नए रोजगार मौके सृजित किए जाने की अहम जरूरत है। हाल ही में रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के द्वारा कौशल विकास में भारी निवेश की जरूरत है। देश के राज्यों और केंद्र स्तर पर निकलने वाली सरकार की विभिन्न भर्तियों के लिए आवेदन करने वाले युवाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। हाल ही में कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) की फेज–13 सेलेक्शन पोस्ट 2025 के अंतर्गत 2423 पदों की भर्ती के लिए पूरे देश से 29 लाख से अधिक आवेदन आए हैं। पिछले वर्षों में संघ लोक सेवा आयोग, रेलवे भर्ती और कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) ने जो भर्तियां की हैं, वे रिक्त पदों की तुलना में बहुत कम हैं। राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (एनएसओ) के द्वारा जारी नवीन श्रम बल सर्वे (पीएलएफएस) के आंकड़ों के मुताबिक 15–29 आयु वर्ग के युवाओं में बेरोजगारी दर जून 2025 में तेजी से बढ़कर 15.3 रही। यह शहरों में बढ़कर 18.8 प्रतिशत रही जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में 13.8 प्रतिशत रही है। फ्रांस के कॉरपोरेट एंड इन्वेस्टमेंट बैंक नेटिक्सि एसए के द्वारा प्रकाशित अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक भारत में जिस तेजी से युवा रोजगार के लिए तैयार होकर श्रम शक्ति (वर्क फोर्स) में शामिल हो रहे हैं, उसको देखते हुए भारत को 2030 तक प्रति वर्ष 1.65 करोड़ नई नौकरियों की जरूरत होगी। इसमें से करीब 1.04 करोड़ नौकरियां संगठित सेक्टर में पैदा करनी होंगी। जबकि पिछले दशक में सालाना कुल 1.24 करोड़ नौकरियां ही पैदा हो सकी थीं। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत को अपनी अर्थव्यवस्था में तेजी को बरकरार रखने के लिए सर्विसेज से लेकर मैन्युफैक्चरिंग तक सभी सेक्टर्स को नई रफ्तार से बढ़ावा देना होगा। ऐसे में इस समय देशभर में मिशन मोड में नई सरकारी नियुक्तियां करने और नए रोजगार मौके सृजित किए जाने की अहम जरूरत है। हाल ही में रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के द्वारा कौशल विकास में भारी निवेश की जरूरत है, जिससे देश के जनसांख्यिकीय लाभ को हासिल करने में मदद मिलेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि कौशल विकास के लिए निवेश का बोझ सार्वजनिक और निजी, दोनों क्षेत्रों को मिलकर उठाना होगा। भारत के पास अभूतपूर्व अवसर हैं, क्योंकि खाड़ी सहयोग परिषद, यूरोप और ऑस्ट्रेलिया जैसी विकसित अर्थव्यवस्थाएं, विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवा, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स और निर्माण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में कौशल की भारी कमी का सामना कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक वैश्विक मंच पर भारत की कार्यबल क्षमता को उजागर करने के लिए कौशल विकास पर कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) खर्च में पर्याप्त सुधार की आवश्यकता है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना में सुधार की पर्याप्त गुंजाइश है। वित्त वर्ष 2015 से अब तक कॉर्पोरेट्स द्वारा सीएसआर पर खर्च किए गए 2.22 लाख करोड़ रुपये में से केवल 3.5 प्रतिशत ही कौशल विकास के लिए खर्च किया गया है। ऐसे में सीएसआर निवेश को अलग–थलग कौशल गतिविधियों से आगे बढ़ना होगा। जब सरकारी पहलों के साथ रणनीतिक रूप से एकीकृत किया जाता है, तो सीएसआर में एक सक्षमकर्ता के रूप में कार्य करने की अपार क्षमता होती है। सरकार को देश की नई पीढ़ी को जॉब सीकर यानी नौकरी की चाह रखने वाले से ज्यादा नए दौर के जॉब गिवर यानी नौकरी देने वाले बनाने की तेज रणनीति के साथ भी आगे बढ़ना होगा। देश में स्वरोजगार की रफ्तार बढ़ाई जानी होगी। इस परिप्रेक्ष्य में शोध संस्थान स्कॉच की शोध अध्ययन रिपोर्ट में 2014–24 की अवधि में ऋण–आधारित हस्तक्षेपों और सरकार–आधारित हस्तक्षेपों का अध्ययन किया है। जहां ऋण–आधारित हस्तक्षेपों ने प्रति वर्ष औसतन 3.16 करोड़ रोजगार जोड़े हैं, वहीं सरकार–आधारित हस्तक्षेपों से प्रति वर्ष 1.98 करोड़ रोजगार पैदा हुए हैं। सामान्यतया एक लोन पर औसतन 6.6 प्रत्यक्ष रोजगार पैदा हुए हैं। इस शोध अध्ययन में रोजगार व स्वरोजगार से संबंधित 12 केंद्रीय योजनाओं को शामिल किया गया है। इनमें मनरेगा, पीएमजीएसवाई, पीएमईजीपी, पीएमए–जी, पीएलआई, पीएमएवाई–यू, और पीएम स्वनिधि जैसी प्रमुख योजनाएं शामिल हैं। इस शोध अध्ययन के मुताबिक पिछले दस वर्षों में ऋण अंतराल यानी जीडीपी के अनुपात में कर्ज के अंतर में 12.1 प्रतिशत की गिरावट आई है। इस अध्ययन से ऋण अंतराल में कटौती, बहुआयामी गरीबी में कमी और एनएसडीपी में वृद्धि के बीच एक सकारात्मक संबंध भी प्रतिपादित हुआ है। नए डिजिटल दौर में देश की नई हाई–स्किल्ड पीढ़ी के लिए देश ही नहीं, दुनियाभर में नए दौर की नौकरियों में अवसर बढ़ रहे हैं, ऐसे में देश के करोड़ों युवाओं को नए दौर की इन नौकरियों के लिए शिक्षित–प्रशिक्षित करने के लिए प्राथमिकता के साथ नई रणनीति बनानी होगी। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट 'भविष्य की नौकरियों' में कहा कि वैश्विक स्तर पर वर्ष 2030 तक 17 करोड़ नई हाई–स्किल्ड नौकरियां पैदा होंगी, जबकि 9.2 करोड़ परम्परागत नौकरियां समाप्त होने का अनुमान है। चूंकि कई विकसित और विकासशील देशों में तेजी से बूढ़ी होती आबादी के कारण उद्योग–कारोबार व सर्विस सेक्टर के विभिन्न कामों के लिए युवा हाथों की कमी हो गई ।

आत्मीय अहसासों से विहीन सामाजिकता के संकट

गोपाल

भारतीय परंपरा में, क्रोध, लोभ और सत्ता की लालसा को कम करने के लिए आत्म–संयम, आत्म–अनुशासन, अपनी सीमाओं के प्रति जागरूकता और सत्य की निरंतर खोज के मार्ग पर जोर दिया है। उन्हें खुद से असहमति रखने वालों की बातों को गंभीरता से लेने, उनसे राब्ता रखने और उन्हें मनाने के लिए प्रेरित करता है। क्या हम उस मार्ग पर फिर से चलने और इसकी क्षमता का पता लगाने के लिए तैयार हैं? 'मेलजोल विहीन भाईचारा' यह विशेषण हमारे समकालीन जीवन की दशा का वर्णन सबसे अच्छी तरह करता है, खासकर शहरी इलाकों में। आज हम जरूरत से ज्यादा भीड़–भाड़ भरे शहरों में, एक–दूसरे की बगल में खड़ी ऊंची–ऊंची इमारतों में, आपस में सटे अपार्टमेंट्स में रह रहे हैं, कहने को पास–पड़ोस से भरपूर, किंतु मेल–जोल विहीन। कई अमेरिकी उपनगरों के विपरीत, जहां पर ज्यादातर घर एक–दूसरे से थोड़े फासले पर बने होते हैं, हमारे यहां उपनगरों और विस्तारित शहरी इलाकों में आवासीय समूह हैं, जिनमें रिहायश अनिवार्य रूप से सटी हुई होती है। यदि ऊपर आसमान में दूसरे ग्रह के प्राणी मंडरा रहे हों, तो अवश्य ही वे इन जगहों की असाधारण सामाजिकता देखकर दंग रह जाएंगे! विडंबना यह है कि इस किस्म का सामाजिक अस्तित्व वास्तव में असामाजिक व्यवहार का चिन्ह है। हालांकि हम अक्सर यह मानकर चलते हैं कि एक जगह मिल–जुलकर रहने से चिंताएं साझा बनती हैं और दोस्ती, मिलनसारिता और आपसी देखभाल की भावना पैदा होती है, लेकिन हकीकत बिल्कुल विपरीत है। अधीरता, क्रोध, आक्रामक व्यवहार, हिंसक गाली–गलौज और कभी–कभी शारीरिक हमले तक, इस 'सामाजिक जगत' में बहुतायत में हैं। सड़क किनारे खाली जगह पर कार पार्क करने का मामला हो या पालतू जानवर सहित व्यक्ति को अगली लिफ्ट पकड़ने के लिए कहना या फिर गार्ड द्वारा गेट खोलने में थोड़ी–सी देरी हो जाने जैसे मामूली से मुद्दे भी बेहद आक्रामक प्रतिक्रियाएं पैदा कर देते हैं, जिसमें आगे दोस्त और परिवार के लोगों के शामिल होने से झगड़ा विकराल रूप ले लेता है। ऐसी घटनाएं स्थानीय समाचारों की आम खबर बनी रहती हैं। हम में से ज्यादातर लोग, यहां तक कि वे लोग जो सक्रिय रूप से नौकरी या कारोबार नहीं कर रहे, वे भी कम अवधि के प्रवासों के

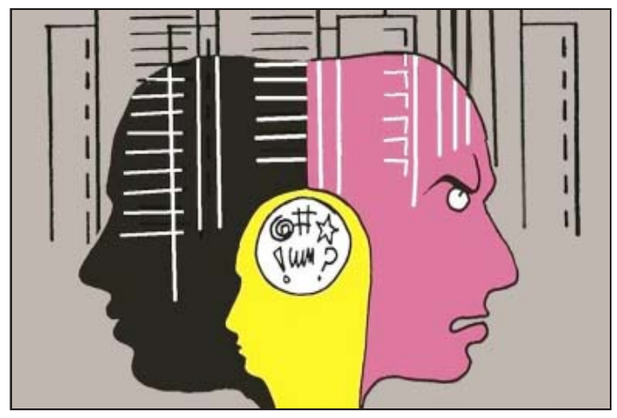

अलावा, बसने के लिए दूर–दराज, एकांत जगहों की तलाश नहीं करतेय भले ही, दूसरे लोगों के साथ रहना एक तनाव साबित हो। जीन पॉल सात्रे के शब्दकृ'दूसरे लोग नर्क हैं', एक नई वास्तविकता को जन्म देते है, जहां पर एक मामूली–सा मतभेद तेजी से तूल पकड़ सकता है और इसे व्यक्तिगत अपमान के रूप में लिया जा सकता है। इसके बाद अक्सर होता है, अपनी श्रेष्ठता को पुनः स्थापित करने के उद्देश्य से एक–दूसरे को पछाड़ने का खेल। यह हमारे वर्तमान अस्तित्व की परेशान कर देने वाली किंतु अपरिहार्य स्थिति बन गई है, और इससे बचने का कोई रास्ता नहीं दिखाई दे रहा। हिंसा का यह सामान्यीकरण आमतौर पर उस तनाव से जुड़ा होता है जो एक बेहद अप्रत्याशित उतार–चढ़ाव वाली बाजार व्यवस्था में उच्च आकांक्षाओं को साकार करने के सपने के साथ संलग्न होकर आता है। निस्संदेह, हम में से अधिकांश लोग जिस वातावरण में काम करते और रहते हैं, वह तनावपूर्ण है, लेकिन यह तत्व वर्तमान वास्तविकता की व्याख्या को पर्याप्त रूप से या उसके सही अर्थ को नहीं पकड़ पाता। रोजाना जीवन में इस कदर निरंतरता से उभरने वाले घर्षण और संत्रास एक ऐसे स्वः के उद्भव को इंगित करते हैं जो एक साथ चिंता और आत्म–विश्वास से भरा है। वह जिसे, पुष्टि और मान्यता पाने की प्रबल इच्छा रहती है (जो अनिवार्य रूप से इसे दूसरों से मिलनी चाहिए), लेकिन उसका यकीन कहता है कि सत्य केवल उसके पास है। जहां पहली प्रवृत्ति उसको सामाजिकता की ओर लेकर जाती है, वहीं दूसरी वाली उसे अन्यों को, खासकर वे जो असहमत हों, त्याज्य बना देती है। इस रिश्ते में, केवल आत्म(स्वः) यानी मैं और मेरे साथ खड़े लोग ही मूल्यवान और विचार करने लायक हैं। दूसरों को स्पष्टीकरण देने की न तो कोई आवश्यकता है या न ही औचित्य। इसलिए इसमें कोई हैरानी नहीं होनी चाहिए कि ऐसा व्यक्ति (स्वः) समूह बनाने और यहां तक कि उसकी गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने में न केवल इच्छुक, बल्कि उत्साही भी होता है। यहां किसी के मन में विचार उठ सकता है कि एक असामाजिक स्वः, जिसके लिए दूसरे लोग बोझ हैं, वह तो अकेला खड़ा होना ज्यादा पसंद करेगा और सामूहिकता को असहनीय पाएगा। लेकिन ऐसा नहीं है, और यह व्यवहार फिर से पुष्टि करता है ।

..... विविध .....

कई बड़ी बीमारियों का इलाज है जामुन की गुठली

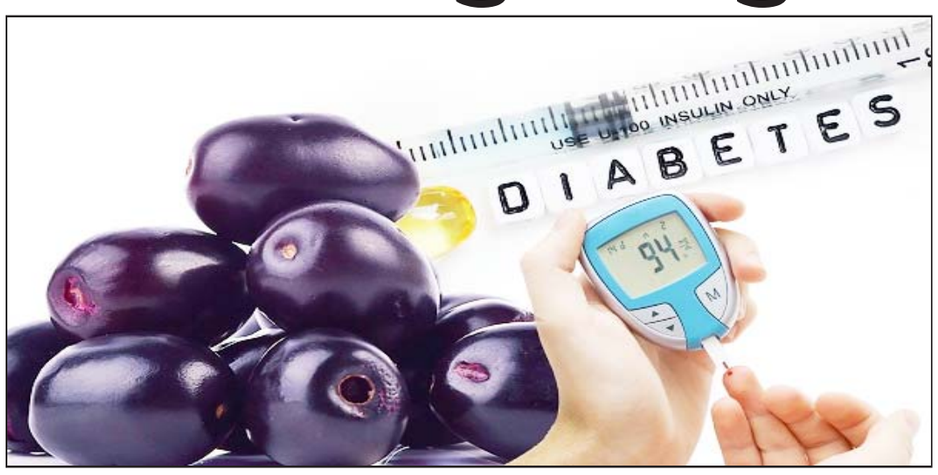

जरूरी नहीं कि हर काम की दवा सिर्फ मेडिकल स्टोर से ही मिले। हमारे आस–पास कुछ ऐसे प्राकृतिक उपाय भी होते हैं जो चुपचाप अपना असर दिखाते हैं। उन्हीं में से एक है जामुन की गुठली। जामुन का स्वाद तो आपने खूब चखा होगा लेकिन क्या कभी इसकी गुठली को ध्यान से देखा है? आयुर्वेद के अनुसार, ये छोटी–सी गुठली बड़ी–बड़ी बीमारियों में काम आ सकती है। डायबिटीज से लेकर पेट की गड़बड़ी, मोटापा, हाई ब्लड प्रेशर और यहां तक कि त्वचा की समस्याओं में भी यह बेहद फायदेमंद मानी जाती है। अगर आप भी किसी बीमारी से जूझ रहे हैं या दवाओं से थक चुके हैं, तो एक बार इस लेख को जरूर पढ़ें। शायद जामुन की ये गुठली आपके लिए किसी वरदान से कम न हो!

डायबिटीज (मधुमेह) में लाभदायकरू जामुन की गुठली का चूर्ण रक्त शर्करा (इसववक नहंत) को नियंत्रण में रखने में मदद करता है। इसमें जैम्बोलिन और जैम्बोसिन नामक तत्व होते हैं, जो इंसुलिन की कार्यक्षमता को बेहतर बनाते हैं। यह अग्न्याशय (पैंक्रियास) को स्वस्थ रखता है और ब्लड शुगर को स्थिर करता है।

पेट से जुड़ी समस्याओं के लिएरू अम्लपित्त (बपकपजल), गैस, कब्ज या डायरिया जैसी पाचन समस्याओं में जामुन की गुठली लाभदायक है। यह पाचन शक्ति बढ़ाति है और पेट में संक्रमणों को ठीक करने में मदद करती है।

मोटापे में मददगार– गुठली का सेवन मेटाबॉलिज्म को दुरुस्त करता है, जिससे वजन नियंत्रण में मदद मिलती है। यह शरीर में अतिरिक्त फैट जमा होने से रोकथाम करता है।

पेशाब सम्बंधित समस्याओं में उपयोगी– बार.बार पेशाब आना, पेशाब में जलन या मूत्र संक्रमण (न्ज्) में इस का काढ़ा उपयोगी होता है। यह मूत्र प्रणाली (नतपदंतल जतंबज) को साफ करता है और संक्रमण कम करता है।

लिवर और किडनी स्वास्थ्य– जामुन की गुठली लिवर को डिटॉक्स करती है और किडनी से टॉक्सिन निकालने में सहायक होती है। कुछ मामलों में किडनी स्टोन (पथरी) के इलाज में भी इसे सहायक माना गया है।

त्वचा रोगों में असरदार– गुठली एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होती है, जो पिंपल्स, दाग–धब्बे और त्वचा संक्रमण में लाभदायक है। डायबिटिक रोगियों में जख्म जल्दी भरने में भी यह मदद करती है।

हाई ब्लड प्रेशर में– यह रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करती है क्योंकि यह रक्तसंचार को ठीक रखती है।

किन्हें सावधानी रखनी चाहिए?

गर्भवती महिलाएं और स्तनपान कराने वाली महिलाएं बिना डॉक्टर की सलाह के इसका सेवन न करें। जिन लोगों को हाइपोग्लाइसीमिया (बहुत कम ब्लड शुगर) की समस्या है, उन्हें विशेषज्ञ की देखरेख में ही इसका उपयोग करना चाहिए। अत्यधिक मात्रा में सेवन करने से कब्ज की समस्या हो सकती है।

जामुन की गुठली का उपयोग कैसे करें?

चूर्ण – रोज सुबह खाली पेट एक चम्मच गुनगुने पानी के साथ लें।

काढ़ा – गुठली को पानी में उबालकर पानी छान कर पी सकते हैं।

कैप्सूल फॉर्म –आयुर्वेदिक स्टोर्स में कैप्सूल के रूप में भी उपलब्ध है।

लेकिन किसी भी घरेलू इलाज की तरह, इसे ठीक तरीके से और सही मात्रा में उपयोग करना बहुत जरूरी है। यदि आप किसी स्वास्थ्य समस्या से जूझ रही हैं या नियमित दवाइयों पर हैं ।

सिर्फ 7000 कदम चलना काफी, कैंसर और दिल की बीमारियां होंगी दूर

रोजाना चलना हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है। अक्सर हमने सुना है कि दिन में 10,000 कदम चलना अच्छा होता है। लेकिन हाल ही में एक नई स्टडी में पता चला है कि 10,000 कदम नहीं, बल्कि सिर्फ 7000 कदम चलना भी हमारी सेहत के लिए काफी है।

स्टडी में क्या मिला?

द लैंसेट नाम की मेडिकल जर्नल में प्रकाशित एक रिपोर्ट में बताया गया है कि रोजाना 7000 कदम चलने से हमारा शरीर स्वस्थ रहता है और कई गंभीर बीमारियों से बचाव होता है। इस स्टडी में 35 समूहों और 31 अलग–अलग शोध को शामिल किया गया था। परिणाम यह दिखाते हैं कि 7000 कदम चलने से न केवल दिमाग और दिल की बीमारियां कम होती हैं, बल्कि कैंसर जैसे रोगों से भी राहत मिलती है।

कौन–कौन सी बीमारियों में होगा फायदा?

रोजाना 7000 कदम चलने से मौत का खतरा लगभग 47: तक कम हो जाता है। दिल की बीमारियों का जोखिम 25: तक घट सकता है। कैंसर का खतरा 37: तक कम होता है। टाइप–2 डायबिटीज का खतरा 14: तक घट सकता है। डिप्रेशन में 22: तक कमी आ सकती है। डिमेंशिया (भूलने की बीमारी) का खतरा भी 22: तक कम हो जाता है। गिरने की संभावना भी 28: तक घट जाती है।

वॉक करने के अन्य फायदे

वजन कम करने में मदद मिलती है। कोलेस्ट्रॉल का स्तर नियंत्रित रहता है। हाई ब्लड प्रेशर (बीपी) कम होता है। शरीर की रोग–प्रतिरोधक क्षमता (इम्यूनिटी) मजबूत होती है।

रोजाना 7000 कदम कैसे पूरे करें?

7000 कदम एक साथ चलना मुश्किल हो सकता है, इसलिए इसे छोटे–छोटे हिस्सों में बांटना बेहतर है। सुबह 20–30 मिनट टहलें, जिससे लगभग 2000–3000 कदम पूरे होंगे। दिन के बीच काम के दौरान छोटे ब्रेक में 15 मिनट वॉक करें, जिससे 1000–1500 कदम मिल सकते हैं। शाम को घर के आस–पास या छत पर कुछ देर टहलें। खाने के बाद थोड़ी सैर करें। इस तरह छोटे–छोटे कदम जोड़कर आप आसानी से रोजाना 7000 कदम पूरे कर सकते हैं और स्वस्थ रह सकते हैं।

अगर आप रोजाना 7000 कदम चलने की आदत डाल लें, तो यह आपके शरीर को कई गंभीर बीमारियों से बचाएगा और आपकी लाइफ को बेहतर बनाएगा। इसलिए स्वास्थ्य के लिए रोज थोड़ा–थोड़ा चलना बहुत जरूरी है।

शुगर हुई बिलकुल ठीक, बताया आसान तरीका

डायबिटीज यानी शुगर आज एक आम बीमारी बन चुकी है, जो धीरे–धीरे शरीर के कई अंगों को नुकसान पहुंचा सकती है। यह बीमारी सिर्फ आम लोगों को ही नहीं, बल्कि डॉक्टरों को भी हो रही है। इसी से जुड़ा एक किस्सा बाबा रामदेव ने हाल ही में एक वीडियो में शेयर किया, जिसमें उन्होंने दावा किया कि उन्होंने एक एमबीबीएस डॉक्टर की शुगर पूरी तरह ठीक कर दी है।

डायबिटीज क्यों है खतरनाक?

डायबिटीज को मीठी बीमारी कहा जाता है, लेकिन इसका असर बहुत खतरनाक हो सकता है। अगर इसे कंट्रोल न किया जाए, तो यह हार्ट डिजीज, किडनी फेलियर, आंखों की रोशनी कम होना, कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती है। इसके लक्षणों में ज्यादा प्यास लगना, बार–बार पेशाब आना, कमजोरी, थकान और वजन कम होना शामिल है।

बाबा रामदेव का दावा दृ डॉक्टर की शुगर की बीमारी खत्म

बाबा रामदेव ने बताया कि एक एमबीबीएस और एमएस डॉक्टर बी आर अहलावत, जो अब तक 50,000 से ज्यादा डिलीवरी करवा चुके हैं, उन्हें भी शुगर की बीमारी हो गई थी। वो इंसुलिन पर निर्भर थे। तब बाबा रामदेव ने उनसे कहा, "अब से कुछ नहीं होगा। योग, आयुर्वेद और नेचुरोपैथी से आप 100 साल जिएंगे।" बाबा का कहना है कि डॉक्टर ने जब उनका तरीका अपनाया, तो उनकी इंसुलिन की जरूरत खत्म हो गई और शुगर भी कंट्रोल में आ गई।

आयुर्वेद में शुगर का इलाज

बाबा रामदेव के अनुसार, आयुर्वेद में शुगर को कंट्रोल करने के लिए कई असरदार औषधियां हैं, जैसे

एलोवेरा
चिरायता
गुड़मार
कुटकी
विजयसार
गिलोय

इन औषधियों में ब्लड शुगर लेवल को कम करने की ताकत होती है। इनका नियमित सेवन करने से फायदा हो सकता है।

कौन सा जूस है फायदेमंद?

रामदेव ने बताया कि डायबिटीज के मरीजों को एक खास जूस रोज पीना चाहिए, जिसमें शामिल होंरू

खीरा
टमाटर
करेला

इन तीनों को मिलाकर बना जूस पीने से ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रह सकता है।

सुबह–सुबह दिखने लगे ये लक्षण तो समझ लें क्पंइमजमे बॉर्डर लाइन पर...

बाबा रामदेव का संदेश डॉक्टरों के लिए रामदेव ने कहा कि जो डॉक्टर योग और आयुर्वेद का विरोध करते हैं, वो तामसिक या राजसिक प्रकृति के होते हैं। लेकिन जो सात्विक हैं, वे योग के महत्व को समझते हैं और उसका अभ्यास करते हैं। डिस्क्लेमररू यह जानकारी बाबा रामदेव द्वारा इंस्टाग्राम पर साझा की गई एक रील पर आधारित है। इसकी पुष्टि या अन्य मेडिकल सोर्स द्वारा नहीं की गई है। किसी भी घरेलू नुस्खे को आजमाने से पहले अपने डॉक्टर या किसी स्वास्थ्य विशेषज्ञ से सलाह जरूर लें।

स्कूलों के विलय को पंचायत चुनाव में भुनाएगी आम आदमी पार्टी, जोर-शोर से शुरू की तैयारी

लखनऊ, (संवाददाता)। पिछले दिनों हुए गुजरात व पंजाब उपचुनाव में मिली जीत से उत्साहित आम आदमी पार्टी (आप) अब यूपी पर फोकस कर रही है। वह जोर–शोर से पंचायत चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। प्रदेश में हाल में हुए परिषदीय स्कूलों के विलय (पेयरिंग) ने पार्टी के हाथ में एक बड़ा मुद्दा थमा दिया है। पार्टी पंचायत चुनाव के मद्देनजर इस मुद्दे को भुनाने में कोई कोर–कसर नहीं छोड़ना चाहती। दिल्ली विधानसभा चुनाव में सत्ता हाथ से जाने से पार्टी काफी हतोत्साहित थी। किंतु पिछले दिनों गुजरात व पंजाब उपचुनाव में मिली जीत ने पार्टी को फिर से बूस्टर डोज दी है। इसके बाद से पार्टी नेताओं की सक्रियता बढ़ी है। उत्तर प्रदेश में 2026 में प्रस्तावित पंचायत चुनाव को देखते हुए पार्टी ने जोर–शोर से तैयारी शुरू कर दी है।

पार्टी के प्रदेश प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह के निर्देश पर जिलों में जहां संगठन सृजन को लेकर बैठकें चल रही हैं। वहीं वे खुद जोनवार सम्मेलन कर रहे हैं। इसी बीच प्रदेश में स्कूलों के विलय को लेकर हुए निर्णय ने पार्टी को पंचायत चुनाव का एक मुद्दा दे दिया है। अब संजय सिंह खुद जिलों में जाकर बंद हुए स्कूलों के सामने, वहां के लोगों के साथ चौपाल लगा रहे हैं। इसके माध्यम से वह लोगों की राय भी जान रहे हैं।

समाजवादी कार्यकर्ताओं ने शुरू की पीडीए पाठशाला, अखिलेश यादव ने सरकार पर साधा निशाना

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने हाल ही में कहा था कि श्पीडीए पाठशालाश्र चलाकर बच्चों की पढ़ाई कराने का काम किया जाएगा। अखिलेश ने अपील की थी कि समाजवादी साथी उन गांवों में टीम बनाएं जहां स्कूल बंद हो रहे हैं। उन्होंने पढ़े–लिखे नौजवानों, पार्टी समर्थकों और सेवानिवृत्त शिक्षकों से अपील की है कि वे पीडीए पाठशाला बनाकर बच्चों को पढ़ाएं और उनका भविष्य संवारें। इसी कड़ी में तहसील क्षेत्र के भादर ब्लॉक के स्माइलपुर ग्रामसभा के रायपुर गांव में सपा नेता जयसिंह प्रताप यादव की अगुवाई में एक पेड़ के नीचे पीडीए पाठशाला लगाई गई। जहां आसपास के गांव के बच्चों को एकजुट होकर पढ़ाया गया। अखिलेश यादव ने बयान दिया था कि शिक्षा का अधिकार छीना जा रहा है। समाजवादी सरकार बनने पर बंद किए गए स्कूलों को और बेहतर तरीके से पुनः खोला जाएगा। उन्होंने भाजपा सरकार पर शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद करने का आरोप लगाते हुए कहा कि वह बुनियादी और प्राथमिक शिक्षा को खत्म करने की साजिश रच रही है ताकि गरीब बच्चों को शिक्षा से दूर किया जा सके।

संक्षिप्त खबरें

वर्किंग प्रोफेशनल्स की सेमेस्टर परीक्षा 28 से

लखनऊ, (संवाददाता)। राजकीय पॉलिटेक्निक में अध्ययनरत कामकाजी छात्रों (वर्किंग प्रोफेशनल्स) के लिए राहत भरी खबर है। प्राविधिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश ने सम सेमेस्टर परीक्षा की तिथियां घोषित कर दी हैं। यह परीक्षा 28 जुलाई से 2 अगस्त तक दो पालियों में आयोजित की जाएगी। परीक्षा का आयोजन प्रदेशभर के चयनित नोडल राजकीय संस्थानों में किया जाएगा। परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को समय पर तैयारियों के लिए प्रोत्साहित करते हुए परिषद ने आधिकारिक परीक्षा कार्यक्रम और नॉमिनल रोल अपलोड कर दिए हैं। परिषद के सचिव अजीत कुमार की ओर से जारी निर्देशों में कहा गया है कि परीक्षा में शामिल होने वाले छात्रों को निर्धारित शुल्क का चालान बनाकर उसकी हार्डकॉपी 27 जुलाई तक परिषद कार्यालय में जमा करनी होगी। नामांकन सूची (नॉमिनल रोल) संस्थानों के लॉगइन पोर्टल पर उपलब्ध करा दी गई है। किसी भी प्रकार की त्रुटि पाए जाने पर संबंधित संस्थानों को निर्देशित किया गया है कि वे तुरंत परिषद को सूचित करें। जल्द ही एडमिट कार्ड भी संस्थान लॉगइन और स्टूडेंट्स लॉगइन पर जारी किए जाएंगे।

निजी पॉलीटेक्निक संस्थानों में दाखिले की रफ्तार धीमी, 78 हजार सीटें अब भी खाली

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश के निजी पॉलीटेक्निक संस्थानों में इस वर्ष भी दाखिले को लेकर संकट की स्थिति है। अब तक संपन्न तीन राउंड की काउंसिलिंग में केवल 9600 सीटों पर ही प्रवेश हो सका है, जबकि 78 हजार से अधिक सीटें अब भी रिक्त हैं। संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद के अनुसार, राज्यभर के 441 पॉलीटेक्निक कॉलेजों में काउंसिलिंग प्रक्रिया जारी है, जिनमें से 240 निजी संस्थान हैं। इन संस्थानों में कुल 89 हजार से अधिक सीटें उपलब्ध हैं, परंतु प्रवेश की रफ्तार काफी धीमी है। बीते वर्ष की तरह इस बार भी छात्रों का रुझान राजकीय और अनुदानित संस्थानों की ओर अधिक देखा जा रहा है। परिषद के सचिव संजीव कुमार के अनुसार, सीट फीडिंग के दौरान छात्र प्राथमिकता से सरकारी संस्थानों को ही चुन रहे हैं। छात्रों के निजी संस्थानों से दूरी बनाने के पीछे फीस की खाई एक बड़ा कारण है। राजकीय पॉलीटेक्निक में किसी भी डिप्लोमा पाठ्यक्रम की फीस लगभग 12,000 रुपये है, जबकि निजी संस्थानों में यही फीस 30,000 रुपये से अधिक है। इसके अलावा हॉस्टल शुल्क समेत अन्य खर्च भी निजी कॉलेजों में कहीं अधिक हैं। निजी संस्थानों को सीधे प्रवेश (मैनेजमेंट कोटा) देने की छूट नहीं है, जिससे दाखिला प्रक्रिया लंबी और जटिल हो जाती है। परिषद को उम्मीद है कि चौथे राउंड में निजी पॉलीटेक्निक संस्थानों की स्थिति में कुछ सुधार हो सकता है, ।

नई पावर ट्रांसफार्मर से 2000 घरों की बिजली सुधरी

लखनऊ, (संवाददाता)। आशियाना कॉलोनी के शक्ति पावर हाउस पर पांच एमवीए पावर ट्रांसफार्मर शुक्रवार देर शाम को चालू हो गया। इस पावर ट्रांसफार्मर को पिछले एक हफ्ते से लगाने का काम चल रहा था। इससे 2000 उपभोक्ताओं के घरों की बिजली आपूर्ति सुधर गई है। मुख्य अभियंता रजत जुनेजा ने बताया कि गर्मी के बढ़ने के कारण शक्ति पावर हाउस पर लगे ट्रांसफार्मर ओवरलोड हो गए थे। इससे आए दिन उपभोक्ताओं की बिजली आपूर्ति में व्यवधान आ रहा था। इस व्यवधान को दूर करने के लिए पावर हाउस पर नए पावर ट्रांसफार्मर को लगाने की योजना बनी और उच्च स्तर से अनुमोदन मिलते ही काम शुरू करके उसे चालू कर दिया गया। उधर ,अधिशासी अभियंता नीरज कुमार ने बतायासर इससे अब सेक्टर डी, जी, एफ और हिन्दनगर सहित आसपास के उपभोक्ताओं को कम से कम बिजली संकट का सामना करना पड़ेगा।

प्रदेश के 14 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी में एक बार फिर से बारिश शुरू हो गई है। बंगाल की खाड़ी में बृहस्पतिवार की शाम को विकसित हुए कम दबाव के क्षेत्र के असर से उत्तर प्रदेश में मानसून की वापसी देखने को मिली है। शुक्रवार को प्रदेश के दक्षिणी और पूर्वी जिलों सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, प्रयागराज, प्रतापगढ़, जौनपुर, गाजीपुर, बलिया आदि में अच्छी बारिश हुई। शाम को करीब एक घंटे लखनऊ में हुई बारिश से सड़कें लबालब नजर आईं। बारिश के दौरान इन इलाकों में 30 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। मौसम विभाग की ओर से शनिवार को दक्षिणी यूपी और बुंदेलखंड समेत कुल 14 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। साथ ही 43 जिलों में गरज चमक के साथ वज्रपात की आशंका जताई गई है। प्रदेश के विभिन्न इलाकों में बारिश का दौर अगले तीन–चार दिनों तक जारी रहेगा। शुक्रवार की शाम तक प्रयागराज में सर्वाधिक 58.8 मिमी बारिश हुई। इसके बाद बस्ती में 53 मिमी, विंध्य क्षेत्र के चुर्क में 37.2 मिमी, अमेठी में 29 मिमी, कानपुर में 13.2 मिमी, बाराबंकी में 12 मिमी, बहराइच में 11.8 मिमी बारिश दर्ज की गई। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया की बंगाल की खाड़ी में विकसित हुए कम दबाव के असर से अगले दो–तीन दिन प्रदेश के दक्षिणी–पूर्वी हिस्से में अच्छी बारिश के आसार हैं। बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, गाजीपुर, मऊ, बलिया, लखीमपुर खीरी, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, सहारनपुर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, बदायूं, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर व आसपास के इलाकों में। राजधानी में शुक्रवार शाम करीब चार बजे आंधी–बारिश के चलते शहर से लेकर गांव की बिजली गुल हो गई। यह संकट तारों और ट्रांसफार्मरों पर पेड़ गिरने के कारण हुआ। मंत्री आवास सहित पांच उपकेंद्र की बिजली आपूर्ति में व्यवधान आया। इस बिजली को सामान्य होने में दो से छह घंटे तक लगे। वैसे तो शहर के 70 फीसदी इलाके शाम सात बजे तक रोशन हो गए, मगर 30 फीसदी लोग रात 10 बजे तक अंधेरे में रहे। मोहनलालगंज, गोसाईगंज, काकोरी, माल, बंथरा और मलिहाबाद की बिजली सामान्य होने में दोबारा शुरू हुई बारिश बाधा बनी। उधर, अहिबरनपुर उपकेंद्र पर बृहस्पतिवार आधी रात उपभोक्ताओं ने प्रदर्शन किया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को लाठी फटकार कर खदेड़ा। यह लोग बिजली संकट के विरोध में उपकेंद्र पर रात करीब 12 बजे पहुंचे थे और एक बजे तक प्रदर्शन किया। मल्हौर ,सुरेंद्रनगर, विमल नगर, कमता, चिनहट तिराहा, गोमतीनगर के विराटखंड तीन–चार, विपुलखंड तीन, चार, पांच, सृजन विहार, पत्रकारपुरम चौराहा, विश्वास खंड, नेहरू एंक्लेव, विभूतिखंड, इंदिरानगर, कल्याणपुर, कुर्सी रोड, विकासनगर, देवा रोड, कमता, राजाजीपुरम के ई, एफ ब्लॉक, एफ ब्लॉक, थाना तालकटोरा, अशरफ नगर, सेक्टर 11,12, असियामऊ, किशोर विहार, रिफा कॉलोनी, हजरतगंज, जनपथ, हबीबुल्ला स्टेट, लालबाग, यूपीआईएल, मोतीनगर, सिटी स्टेशन, वजीरगंज, अमीनाबाद, चौक, अकबरीगेट, नूरबाड़ी, ऐशबाग, तालकटोरा, चौपटिया, अंबरगंज, राधा ग्राम, ठाकुरगंज, डालीबाग, जॉपलिंग रोड, निशातगंज, आलमबाग, आशियाना, कानपुर रोड, तेलीबाग, वृंदावन कॉलोनी, गोमतीनगर विस्तार, खदरा, त्रिवेणीनगर, सीतापुर रोड, आईआईएम रोड, जानकीपुरम अलीगंज, महानगर, निरालानगर आदि में दो छह घंटे तक उपभोक्ता बिजली संकट की चपेट में रहे। उधर, आशियाना क्षेत्र में शक्ति पॉवर हाउस पर पांच एमवीए का नया पॉवर ट्रांसफार्मर लगाकर चालू किया गया। मोहनलालगंज, अमेठी उपकेंद्रों की लाइनों पर पेड़ गिरने के कारण बिजली गुल हुई तो 200 से ज्यादा गांव संकट की चपेट में आ गए। शाम 7:30 बजे एक्सईएन एसके सिंह ने बताया कि मोहनलालगंज उपकेंद्र से कस्बे व गांवों की बिजली चालू हो गई है।

संक्षिप्त खबरें

सड़क हादसे में जीजा साले की मौत

कोतवाली। शनिवार की देर रात लखनऊ गोरखपुर मार्ग पर कोतवाली अयोध्या क्षेत्र मे स्थित तारा रिसॉर्ट के पास खड़ी रोडवेज बस से बस्ती की ओर से तीव्र गति से आ रही बाइक अनियंत्रित होकर टकरा गई।इस हादसे में बाइक पर सवार जीजा की मौके पर मौत हो गई जबकि साले की दर्शन नगर मेडिकल कॉलेज ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई।इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली अयोध्या मनोज शर्मा ने बताया कि मृतक 35 वर्षीय शिव शंकर पुत्र स्व अयोध्या प्रसाद निवासी चारबाग मवइया लखनऊ व मृतक 27 वर्षीय कोतवाली नगर क्षेत्र के मुकेरी टोला निवासी रोहित पुत्र बाबूराम आपस मे जीजा साले बताये जा रहे हैं।दोनों लोग बाइक पर सवार होकर बस्ती की ओर से अयोध्या आ रहे थे जब वह तारा रिजॉर्ट्स के सामने पहुंचे तभी सवारी उतार रही खड़ी रोडवेज बस से टकरा गई। इस हादसे में जीजा शिव शंकर की मौके पर मौत हो गई तथा साले रोहित की मौत मेडिकल कॉलेज दर्शन नगर लाते समय बीच रास्ते में हो गई।

अश्वल इंडिया शब्बेदारी में अंजुमनों ने किया नौहा मात तंजीमे अजाए हुसैन की तरही शब्बेदारी संपन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। नगर के इमामबाड़ा कल्लू मरहूम में शनिवार की रात तंजीमें अजाये हुसैन की ऑल इंडिया तरही शब्बेदारी का 27 वा दौर शुरू हुआ जो रविवार की शाम को समाप्त हुई। इस शब्बेदारी में हिंदुस्तान की 20 से अधिक मातमी अंजुमनों ने नौहा मातम कर कर्बला के शहीदों को अपना नजरानए अकीदत पेश किया जिसमे शहर की अंजुमन भी शामिल थी। अलविदाई मजलिस के बाद शबीहे ताबूत अलम व जुल्जनाह निकाला गया जिसकी हमराह अंजुमन जाफरी मखदूमशाहअढ़न ने अपने दर्द भरे नौहे पढ़कर माहौल को गमगीन कर दिया। इससे पूर्व शनिवार की रात शब्बेदारी का आगाज तिलावते कलाम पाक से हुआ। सोजखानी गौहर अली जैदी व उनके हमनवा ने पढ़ी। पेशखानी शोहरत जौनपुरी,एहतेशाम जौनपुरी तल्ख जौनपुरी शाहिद हुसैन ,हसरत जौनपुरी, शादाब व वसी जौनपुरी ने पेश किया।प्रयागराज से आये मजलिस को खेताब करते हुए मौलाना बाबर नदीम ने कहा कि आज पूरी दुनिया में हजरत इमाम हुसैन (अ.स.)व उनके 71 साथियों की शहादत पर लोग नजरानए अकीदत पेश करते हैं। चौदह सौ साल से ज्यादा कर्बला में इमाम की शहादत हुए बीत गया है लेकिन जब मोहर्रम आता है तो सभी मजहब के लोगों के दिलों में इमाम की कुर्बानी की याद ताजा हो जाती है। आज जो इंसानियत व इस्लाम जिंदा है वोह हजरत इमाम हुसैन व अहलेबैत की कुर्बानियों की देन है। मजलिस के बाद अंजुमनों ने मिसरे तरह पर तरही नौहे पेश किये। जिसमें देश की मशहूर अंजुमन गुलशने इस्लाम भौरा सादात अम्बेडकर नगर,मजलूमिया रानीमंडी प्रयागराज,आबिदिया फैजाबाद,हैदरीया अबदुल्लापुर अकबरपुर,जाफरिया मुस्तफाबाद जलालपुर,अजाये हुसैन दोशीपुरा बनारस ,गुनचाये असगरिया कौशाम्बी,अब्बासिया अहलेसुन्नत करीमुद्दीनपुर गाजीपुर के नौहेखा अलीम ने नौहा व मातम कर कर्बला के शहीदों को नजराने अकीदत पेश किया। रविवार की शाम अलविदाई मजलिस मौलाना महफुजुल हसन खान पेश इमाम शिया जामा मस्जिद ने पढ़ कर माहौल गमगीन कर दिया, जिसके बाद शबीहों को बरामद किया गया ।

चौंपियन स्टेट समिट में यूपी में निवेश बढ़ाने पर जोर

लखनऊ, (संवाददाता)। वर्ष 2035 तक उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी बनाने पर शुक्रवार को पर्यटन, उद्योग और ऊर्जा क्षेत्र के विषय विशेषज्ञों ने चर्चा की। मुख्य रूप से यूपी में निवेश कैसे बढ़ाया जाए, इस पर जोर दिया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रदेश की लोक संस्कृति को बढ़ाने के लिए लोकगायिका मालिनी अवस्थी को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड दिया गया। पंजाब बेस्ड फेडरेशन, इंडियन इन्वेस्टर फेडरेशन यूपी शाखा की ओर से गोमतीनगर के होटल में उत्तर प्रदेश चौंपियन स्टेट 2025 समिट का आयोजन हुआ। इसमें नाबार्ड के सीजीएम पंकज कुमार ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था तेजी से जोर पकड़ रही है। प्रमुख सचिव प्रशासन, डेयरी अमित कुमार घोष ने बताया कि प्रदेश में स्थिति पहले से बेहतर हुई है। अब डेयरी जैसे क्षेत्र में निवेश आकर्षित हो रहे हैं। आईटी विभाग के अतिरिक्त सचिव भुवनेश कुमार ने बताया नोएडा आईटी का नया हब है, लखनऊ भी इस दिशा में बढ़ रहा है। पीएफ कमिश्नर अश्विनी कुमार गुप्ता ने रोजगार प्रोत्साहन के बारे में बताया। मुंबई बेस्ड कंपनी टीजीआई एसएमई कैपिटल के सीईओ अजय ठाकुर ने बताया कि नई कंपनियों को लोन के बजाय इक्विटी पर फोकस करना चाहिए। वोल्टास ग्रुप के एमडी व सीईओ प्रदीप बख्शी ने कहा, यूपी हमारे लिए सबसे बड़ा बाजार है। इसका 2300 करोड़ रुपये का टर्नओवर है। अडानी ग्रुप से हेड कॉर्पोरेट अफेयर्स (नॉर्थ) आनंद सिंह विसेन ने यूपी में बेहतर निवेश की संभावनाएं बताईं। सत्र में नवीन क्षेत्रों में निवेश, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और इंफ्रास्ट्रक्चर सुधार पर जोर दिया गया। आईआईएफ के यूपी शाखा के चेयरमैन आरके शरन ने बताया कि 2030 तक 20 लाख से अधिक निवेशकों को जोड़ना लक्ष्य है। चेयरपर्सन गर्विता सिंह समेत शहर के उद्योग जगत से जुड़े लोग मौजूद रहे।

शिक्षकों के समायोजन की घोषणा कर भूला बेसिक शिक्षा विभाग

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में कम नामांकन वाले 10827 परिषदीय स्कूलों के विलय (पेयरिंग) के बाद बेसिक शिक्षा विभाग ने शिक्षकों के जिले के अंदर एक और समायोजन की घोषणा की थी। इसके लिए कार्यक्रम भी जारी कर दिया गया। किंतु तीन दिन का समय बीतने के बाद भी अभी तक कोई भी प्रक्रिया शुरू नहीं की जा सकी। बेसिक शिक्षा विभाग ने पूर्व में यह घोषणा की थी कि परिषदीय स्कूलों की पेयरिंग के बाद शिक्षक–छात्र अनुपात के तहत कम शिक्षक वाले विद्यालयों में आवश्यकता के अनुसार शिक्षकों का समायोजन किया जाएगा। इसके तहत 22 जुलाई को इसके लिए विस्तृत दिशा–निर्देश व समय सारिणी भी जारी की गई थी। इसके अनुसार 23 जुलाई को आरटीई के मानक के अनुसार प्रधानाध्यापक व सहायक अध्यापक की सूची ऑनलाइन जारी करनी थी। किंतु अभी तक शिक्षक–छात्र अनुपात के अनुसार कम और ज्यादा शिक्षकों वाले स्कूलों की सूची ही नहीं जारी की जा सकी है। इसी तरह शिक्षकों के ऑनलाइन आवेदन 24 जुलाई से शुरू होना और 27 जुलाई तक चलना था। किंतु तीन दिन बीतने के बाद भी समायोजन की कोई भी प्रक्रिया नहीं शुरू हुई। ऐसा लग रहा है कि विभाग समायोजन की घोषणा करके ही भूल गया। इसकी वजह से आगे की प्रक्रिया ठप पड़ी है। वहीं समायोजन के इच्छुक शिक्षक इसके लिए परेशान हैं। शिक्षक बार–बार विभाग की साइट देख रहे हैं और अधिकारियों को कोस रहे हैं। विभाग की ओर से जारी समय सारिणी के अनुसार 30 जुलाई तक समायोजन की प्रक्रिया पूरी होनी है। किंतु यह संभव नहीं दिख रहा है। इस बारे में बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव सुरेंद्र कुमार तिवारी ने कहा कि कुछ तकनीकी दिक्कत से वजह से शिक्षकों की सूची अपलोड नहीं की जा सकी है। इसे जल्द ही पोर्टल पर अपलोड कर समायोजन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

रोडवेज बस से बदतर है इंडिगो की सीट, यात्री नाराज

लखनऊ, (संवाददाता)। जयपुर से लखनऊ आ रही इंडिगो की उड़ान की खराब सीटों से नाराज यात्रियों ने सोशल मीडिया पर कमेंट किया कि रोडवेज की लग्जरी बसों की सीटों से बदतर इंडिगो के विमान की सीटें हैं। जयपुर से लखनऊ आ रही इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट संख्या 6ई 7482 में सफर कर रहे एक यात्री ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपना नाराजगी जताई। पैसेंजर शुभम ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि इंडिगो की फ्लाइट से जयपुर से लखनऊ की यात्रा से बेहद निराश हूं। रोडवेज जनरथ बस की सीट भी इंडिगो की सीट से अधिक आरामदायक होती है। उन्होंने इंडिगो को लिखा कि आपकी फ्लाइट्स को रखरखाव की कमी है। मेरी यात्रा डरावनी थी।

कारगिल विजय दिवस की फौजियों को मुबारकबाद : खोसला

सिटी रिपोर्टर प्रत्यूष पाण्डेय

लखनऊ.राष्ट्रीय सैनिक संस्था एनसीआर के संयोजक और भीम ब्रिगेड ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव जोली खोसला ने आज कारगिल युद्ध विजय दिवस पर भारतीय सेवा को दी मुबारकबाद कारगिल युद्ध विजय फौजियों के जज्बे की वजह से हुई क्योंकि सरकार और अधिकारी तो फौजियों को कहते रहे कि अभी इंतजार करो और फौजी भेज रहे हैं मगर फौजियों ने अपने जज्बे की खातिर कारगिल विजय प्राप्त की तकरीबन 527 फौजियों ने अपनी जान कुर्बान कर शहीद हो गए और 1367 गंभीर रूप से घायल हुए सलाम है फौजियों को फौजी अपनी जान कुर्बान करता है 140 करोड़ भारतीयों के विश्वास को देखकर क्योंकि वह सब अपने घरों में सोते रहते हैं और फौजी सरहद पर रक्षा करता रहता है राष्ट्रीय सैनिक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीर चक्र प्राप्त करनल तेजिंदर पाल त्यागी जी ने आज वैशाली में कारगिल चौक का उद्घाटन किया जिसमें क्षेत्रीय पार्षद ,पूर्व मेयर साहिब और तेलंगाना सरकार के सलाहकार आदरणीय राजन छिब्बर जी और भूतपूर्व फौजियों ने हिस्सा लिया राजीव जोली खोसला ने बे..व.प के जनरल मैनेजर रिटायर्ड कर्नल विजय यादव जी को 12 गरम दल क्रांतिकारी वीरों की तस्वीर वाली घड़ी दी जिन्होंने बताया कि वह स्वयं 19 वर्ष कारगिल में फौजी के दौरान सेवा दी है एक–एक चप्पा चप्पा मालूम है किस प्रकार – 45 डिग्री टेंपरेचर में वहां ड्यूटी दी जाती है सलूट है फौजियों को हम सब भारतीयों का कर्तव्य है की फौजियों और उनके परिवार को सम्मान दें भारतीय सेना के जवान हर प्रकार से सक्षम है भारत को बुलंदियों तक पहुंचने में जय हिंद जय भारत

विद्यार्थियों पर न डालें गैरजरूरी फीस का बोझ : राज्यपाल

लखनऊ, (संवाददाता)। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शुक्रवार को अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय के नव–निर्मित भवनों के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया और कुलपति के साथ समीक्षा बैठक की। राज्यपाल ने गैरजरूरी और बीच सत्र में फीस न बढ़ाने का निर्देश दिया। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय परिसर में देशी प्रजातियों के पौधों वाले घने वन मियावाकी का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में स्किल लैब या स्किल सेंटर की स्थापना की जाए। इसमें विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी भी शोध और अभ्यास कर सकें। लाइब्रेरी में विश्व स्तरीय पुस्तकों, उत्तर पुस्तिकाओं की गुणवत्ता व मूल्यांकन प्रक्रिया पर ध्यान देने, विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान समयबद्ध रूप से करने, फीस निर्धारण है।

लखनऊ विश्वविद्यालय में सिमुलेशन लैब की सौगात

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रबंधन संकाय में शुक्रवार को कुलपति प्रो. आलोक राय ने सिमुलेशन लैब का उद्घाटन किया। अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस यह प्रयोगशाला प्रबंधन छात्रों के लिए शिक्षण प्रक्रिया को व्यावहारिक और उद्योगोन्मुखी बनाने की दिशा में एक अहम कदम है। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि यह लैब अकादमिक पढ़ाई और व्यावसायिक दुनिया के बीच की दूरी को पाटेगी। यहां छात्र सुरक्षित वातावरण में रणनीतिक निर्णय लेना, आलोचनात्मक सोच विकसित करना और सीमित संसाधनों में समाधान खोजना सीखेंगे। प्रबंधन संकाय की अधिष्ठाता प्रो. संगीता साहू ने कहा, आज का कॉर्पोरेट वर्ल्ड केवल किताबी ज्ञान से नहीं चलता। छात्रों में व्यावहारिक दक्षता, सोच और निर्णय लेने की क्षमता होनी चाहिए।

अयोध्या में खुला स्काई लाइट सोलर पावर का दफ्तर

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।राम नगरी को सोलर सिटी बनाने का अभियान तेजी से दौड़ रहा है। इसी कड़ी में स्काई लाइट सोलर पावर ने अयोध्या में अपने नए प्रतिष्ठान की शुरुआत की है।जिसका उद्घाटन बीजेपी के पूर्व अयोध्या सांसद लल्लू सिंह और यूपीनेडा के परियोजना अधिकारी पीएन पाण्डेय व वरिष्ठ फौजदारी अधिवक्ता सईद खान एडवोकेट ने फीता काट कर किया।सूर्यवंश की राजधानी अयोध्या को बीजेपी सरकार सोलर सिटी बनाने की मुहिम में जुटी है। हर घर सोलर अभियान के तहत अपने घरों की छतों पर सोलर लगाने वाले लोगो को केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार भारी सब्सिडी मुहैय्या करा रही है।ऐसे में मात्र बीते 4 महीने में स्काई लाइट सोलर पावर ने अयोध्या में सौ घरों में सोलर स्थापित करके एक अलग पहचान बना ली है। साथ ही ज़्यादातर लोगो को सब्सिडी भी मुहैय्या करा दी है।इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व सांसद लल्लू सिंह का कहना है कि अयोध्या नगरी को देश की सर्वश्रेष्ठ नगरी बनाने के लिए भाजपा की केंद्र व प्रदेश सरकार इन दिनों काफी प्रयासरत है । उन्होंने इस मौके पर लोगो से अपने घरों पर सब्सिडी वाला सोलर लगाने का आग्रह भी किया। जिससे न सिर्फ आपका बिजली का बिल कम होगा ,बल्कि कहीं न कही देश को ग्रीन एनर्जी के तौर पर विकसित करने में भी एक अहम भूमिका होगी।

इस दौरान स्काई लाइट सोलर पावर के एमडी अबुल बशर खान का कहना था कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेने के लिए अब किसी को भटकना नही पड़ेगा। अयोध्या स्थित स्काई लाइट सोलर पावर अपने उपभोक्ताओं को रजिस्ट्रेशन से लेकर सोलर स्थापित करने और सब्सिडी दिलाने तक का भरोसा दिलाता है। इस मौके पर महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी , बीजेपी जिला अध्यक्ष संजीव सिंह , बीजेपी निवर्तमान अध्यक्ष अवधेश पांडे बादल, पूर्व अध्यक्ष ओम प्रकाश सिंह, डिप्पुल पांडेय, करुणाकर पांडेय , शिक्षक संघ नेता विश्वनाथ सिंह, अपना दल नेता प्रमोद सिंह, डा0 अफरोज खान,व्यवसायी महेश कपूर, साथी संस्थान के अमित सिंह, समाजसेवी बंटी सिंह, कांग्रेस नेता करन त्रिपाठी आदि सैकड़ो लोगो ने प्रतिष्ठान के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों मे सड़कों का होगा चौड़ीकरण व सौंदर्यीकरण

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।शीघ्र ही राम नगरी मे शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक लगभग तीन दर्जन से अधिक मार्गो का सौंदर्यीकरण के साथ–साथ मार्गो का चौड़ीकरण होगा।इससे संबंधित जिम्मेदार अधिकारी ने बताया इन मार्गो के कार्य हेतु शासन को प्रस्ताव भेजा जा चुका है।शासन द्वारा इन प्रस्ताव के स्वीकृत होने पर मार्गो के सौंदर्यीकरण व चौड़ीकरण का कार्य शुरु हो जायेगा।संबंधित विभाग के जिम्मेदार अधिकारी ने बताया कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के अन्तर्गत टेढ़ीबाजार से अशर्फी भवन होते हुए पोस्ट ऑफिस तक मार्ग का चौड़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण का कार्य,श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के अन्तर्गत अशर्फी भवन से गोला घाट होते हुए तुलसी उद्यान तक मार्ग पर चौड़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण का कार्य,कनक भवन से श्रीराम जन्म भूमि तृदण्डीदेव भवन तक चौड़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण का कार्य,श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के अन्तर्गत टेढ़ीबाजार अशर्फी भवन मार्ग से राज घाट तक मार्ग के चौडीकरण एवं सौंदर्यीकरण का कार्य प्रस्तावित है।इसी तरह से श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के अन्तर्गत जनपद अयोध्या में एन०एच०–27 से रामघाट दिगम्बर अखाड़ा होते हुए अयोध्या मुख्य मार्ग (रामपथ) तक चौड़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण का कार्य,फिरोजपुर पी०एम०जी०एस०वाई० मार्ग से कुशमाहा गावं के कुटिया पुरवा होते हुये दर्शन नगर भरत कुण्ड मार्ग तक दो लेन मार्ग का निर्माण कार्य,पाठक का पुरवा (पावर हाउस) से मेडिकल कालेज तक दो लेन मार्ग का निर्माण कार्य,श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के अन्तर्गत टेढ़ीबाजार से अशर्फी भवन होते हुए पोस्ट ऑफिस तक मार्ग का चौड़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण का निर्माण कार्य के लिए प्रस्ताव भेजा गया है।श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के अन्तर्गत अशर्फी भवन से गोला घाट होते हुए तुलसी उद्यान तक मार्ग पर चौड़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण का कार्य,कनक भवन से श्रीराम जन्म भूमि तृदण्डीदेव भवन तक चौड़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण का कार्य होना प्रस्तावित है।श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के अन्तर्गत टेढ़ीबाजार अशर्फी भवन मार्ग से राज घाट तक मार्ग के चौडीकरण एवं सौंदर्यीकरण का कार्य,श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के अन्तर्गत जनपद अयोध्या में एन०एच०–27 से रामघाट दिगम्बर आखाड़ा होते हुए अयोध्या मुख्य मार्ग (रामपथ) तक चौड़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण का कार्य शामिल है।इसी तरह से गोसाईगंज से तारून,हैदरगंज फुलौना मार्ग चौडीकरण एवं सौंदर्यीकरण का कार्य,गोसाईगज सरैया दिलासीगंज दलपतपुर होते हुये कुर्की चौराहा मार्ग तक चौडीकरण एवं सौंदर्यीकरण का कार्य,फिरोजपुर पी०एम०जी०एस०वाई० मार्ग से कुशमहा गांव के कुटिया पुरवा होते हुये दर्शन नगर भरतकुण्ड मार्ग तक दो लेन मार्ग का निर्माण कार्य,पाठक का पुरवा (पावर हाउस) से मेडिकल कालेज तक दो लेन मार्ग का निर्माण कार्य,अयोध्या प्रयागराज मार्ग से निकलने वाले एयरपोर्ट मार्ग के दायें से निकलकर मेडिकल कॉलेज एवं एयरपोर्ट के टर्मिनल 2 तक चार लेन मार्ग का निर्माण कार्य दलपतपुर मया भीटी बरेहटा नन्सा जाना बाजार मार्ग तक चौड़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण का कार्य,रामपथ स्थित पुलिस लाइन तिराहे से पुष्पराज चौराहा होते हुये भाजपा कार्यालय से अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन चौराहा तक टण्डौली कल्यानपुर बरौली भदौली माइनर बिल्लहरघाट मार्ग तक मार्ग के चौड़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण कार्य,बाग बिजेसी से अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन तक मार्ग का चौड़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण का कार्य,दशरथपुर गयासपुर मार्ग सौंदर्यीकरण व चौड़ीकरण का कार्य,देवकाली जेल मार्ग से होते हुये रामपथ तक चौडीकरण एवं सौंदर्यीकरण,देवकाली से बेनीगंज मार्ग रामपथ तक चौडीकरण एवं सौंदर्यीकरण,रामपथ स्थित ईदगाह से जी०जी०आई० होते हुये मकबरा तक 4 लेन चौड़ीकरण का कार्य,नेतवारी केशरूवा ऐमीघाट मार्ग के चौड़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण का कार्य,ब्रम्हबाबा छोटी नहर शारदापुरम कालोनी होते हुये अयोध्या रायबरेली तक मार्ग का नव निर्माण का कार्य होना है।इसी तरह से चौरे हैदरगंज मार्ग के चौडीकरण,मोदहा चौराहे से रामपथ स्थित आयुक्त आवास तक मार्ग का चौड़ीकरण,पुराने सरयू पुल पर विशेष मरम्मत का कार्य,भीटी हैदरगंज कूरेभार मार्ग के चौड़ीकरण का कार्य,गघ्घोपुर से मउशिवाला मार्ग के चौड़ीकरण का कार्य,स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया तिराहा से तहसील सदर तिकोनिया तिराहा, एस०एस०पी० आवास होते हुये (टी०वी० टावर से मऊशिवाला मार्ग तक) चौडीकरण का कार्य,सुबटहा चौराहे से घूरी टिकर होते हुये रामपुर भगन चरावां मार्ग तक चौडीकरण कार्य के साथ सौंदर्यीकरण का कार्य का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है।

कान्हा गौशाला में होगी पशु चिकित्सक की नियुक्ति,बढ़ेंगे कर्मी

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।नगर निगम की बैसिंगपुर में संचालित कान्हा गौशाला में एक पशु चिकित्सक की तैनाती की जाएगी। गोवंशों की संख्या को देखते हुए देखरेख करने वाले कर्मचारियों की तादाद में भी इजाफा किया जाएगा। यह निर्णय महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी एवं नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने गौशाला का निरीक्षण करने के बाद लिया है।गत दिवस गोरक्षा समिति ने शरद शुक्ल की अगुवाई में ज्ञापन देकर गौशाला में कतिपय खामियां बताई थी। इस पर पारदर्शिता के मध्य नजर समिति के सदस्यों के साथ महापौर ने निरीक्षण का फैसला किया। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त के अलावा गौ रक्षा समिति के पदाधिकारी, अपर नगर आयुक्त भारत कुमार भी थे।नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार पांडेय ने बताया कि निरीक्षण के दौरान सफाई व्यवस्था और चारे का प्रबंध ठीक मिला, लेकिन गोवंशों की संख्या को देखते हुए कर्मचारियों की कमी सामने आई।इसके बाद यहां नियमित पशु चिकित्सा की व्यवस्था करने का निर्णय लिया अभी तक संबद्धता के आधार पर गोवंश का इलाज किया जा रहा था। यहां एक और सुपरवाइजर की कमी महसूस की गई।इसके अलावा देखभाल करने वाले कर्मचारियों की संख्या भी बढ़ाने का निर्णय लिया गया। गौशाला में एक ट्रैक्टर–ट्राली, जेसीबी तथा छोटे ठेलों की संख्या बढ़ाने तथा मुख्य द्वार पर कैमरा लगाने का भी निर्देश महापौर ने अपर नगर आयुक्त को दिया।

किसानों को सिंचाई योजना में 75: से 90: तक सरकारी मदद : सुभाष चन्द्र

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

जिला उद्यान अधिकारी सुभाष चन्द्र ने अवगत कराया कि ड्रिप व स्प्रिंकलर विधि के माध्यम से फसलों की सिंचाई करने पर लघु व सीमांत किसानों को सरकारी अनुदान दिया जाएगा। इसके लिए किसानों को उद्यान विभाग की वेबसाइट पर आनलाइन आवेदन करना होगा। जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि पर ड्राप मोर क्राप माइक्रोइरीगेशन योजना संचालित की जा रही है। योजनांतर्गत 770 हेक्टेयर ड्रिप व 1,330 हेक्टेयर स्प्रिंकलर का लक्ष्य मिला है। बताया कि ड्रिप सिंचाई, मिनी स्पिंकलर पर लघु–सीमांत किसानों को इकाई लागत का 90 प्रतिशत, वहीं अन्य किसानों को इकाई लागत का 80 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है। इसी प्रकार पोर्टेबल स्प्रिंकलर व रेनगन पर लघु–सीमांत किसानों को इकाई लागत का 75 प्रतिशत, वहीं अन्य किसानों को इकाई लागत का 65 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है।

शिक्षा में टैबलेट की भूमिका अद्वितीय है ,इससे छात्र विभिन्न विषयों की जानकारी सरलता से प्राप्त कर सकते हैं : डॉ शशिकांत

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

आज डॉ राम मनोहर लोहिया स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अल्लीपुर हरदोई में स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत स्मार्टफोनध टैबलेट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। टेबलेट वितरण के कार्यक्रम में परास्नातक (एम.ए.,एम.एस–सी.) कक्षाओं के छात्र–छात्राओं को टेबलेट वितरित किये गये। इस अवसर डॉ शशिकांत पांडेय ने कहा कि इस महाविद्यालय के द्वारा बच्चों को आनलाइन शिक्षण प्रशिक्षण दिया जा रहा है छात्रों के लिए ई लर्निंग के द्वारा समस्त शिक्षण सामग्री उपलब्ध करायी जा रही है । शिक्षा में टैबलेट की भूमिका अद्वितीय है तकनीकी युग में इससे छात्र विभिन्न विषयों की जानकारी सरलता से प्राप्त कर सकते हैं आप सभी अपने स्मार्टफोन टैबलेट का उपयोग आगे की शिक्षा में कर सकते हैं।

कार्यक्रम अध्यक्ष श्री रोहित रोहित मिश्रा ग्राम प्रधान अलीपुर ने कहा कि आजकल सम्पूर्ण विश्व की जानकारी आनलाइन प्राप्त कर शैक्षिक स्तर को उन्नत किया जा रहा है

नई शिक्षा नीति के आनुसार पी पी टी और प्रोजेक्ट्स बनाने में यह टेबलेट सहायक सिद्ध होंगे। तकनीकी शिक्षा के द्वारा विभिन्न रास्ते सरलता से प्राप्त हो जाते हैं । इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रवक्ता श्री आनंद विशारद, शिवम शुक्ला, पारुल ,सुमन वैष्णवी, आदि महाविद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

कानपुर से अयोध्या आ रही श्रद्धालुओं से भरी बस पलटी एक दर्जन से अधिक श्रद्धालु घायल

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।सावन के तीसरे सोमवार पर अयोध्या दर्शन के लिए आ रहे श्रद्धालुओं से भरी एक बस रौनाही थाना क्षेत्र मे एनएच–27 गोरखपुर लखनऊ हाईवे पर सत्ती चौरा के बसहा चौराहा के पास अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराकर पलट गई।इस दुर्घटना में 20 श्रद्धालु घायल हो गए।जिनमें चार की हालत गंभीर बताई जा रही है।बताते चले कि बस में लगभग 64 श्रद्धालु सवार थे,जो कानपुर के कल्याणपुर व कन्नौज क्षेत्र से रविवार शाम एक निजी बस के जरिए अयोध्या के लिए रवाना हुए थे।सभी श्रद्धालु पहले बाराबंकी के प्रसिद्ध लोधेश्वर नाथ मंदिर में जलाभिषेक कर अयोध्या में रामलला,हनुमानगढ़ी और नागेश्वर नाथ मंदिर के दर्शन करने आ रहे थे।घायल श्रद्धालुओ के मुताबिक,बस चालक रास्ते में एक होटल पर रुका और खाना खाने के बाद बस को लहराते हुए चला रहा था। श्रद्धालुओं का बस चालक पर आरोप था कि वह नशे में गाड़ी चला रहा था।जिसके चलते कुछ ही दूरी पर बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराकर सड़क किनारे पलट गई।हादसे के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई और हाईवे पर चीख–पुकार गूंजने लगी।घटना की सूचना मिलते ही रौनाही थानाध्यक्ष सुमित श्रीवास्तव पुलिस कर्मियों के साथ व ग्रामीणों की मदद से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को जिला अस्पताल इलाज के लिए भेजा।बाद में क्रेन की मदद से बस को सड़क से हटाया गया और आवागमन बहाल किया गया।इस संबंध मे उन्होंने बताया कि हादसे में किसी की मौत नहीं हुई है,लेकिन चार लोगों को गंभीर चोटें आई है।बस में सवार घायल श्रद्धालुओं मे रेनू, रानी विश्कर्मा चौबेपुर, दिब्या देवी, रजनी विश्कर्मा, निवासी रामा देवी कानपुर, विशाल वर्मा, प्रिया शर्मा, निवासी कनौज बिनीता गुप्ता, राधा, कशिश, पिंकी चौहान, रामकिशोर, मीना सक्सेना, रिद्धि, माही, श्रीराम, निवासी बन्दना कानपुर, सुमन विश्कर्मा कल्याण पुर, सावित्री गौतम कानपुर, के रूप में शामिल रही। इस सम्बंध में चौकी प्रभारी सत्ती चौरा जितेन्द्र सिंह ने बताया कि सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है और बस को कब्जे में मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।जबकि बस चालक मौके से फरार हो गया।वही चौकी प्रभारी सत्ती चौरा जितेन्द्र सिंह ने बताया कि सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है और बस को कब्जे में मामले की जांच पड़ताल की जा रही है

पीली नदी हुई पुनर्जीवित विधायक और जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण, ग्रामीणों ने जताया आभार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । बदलापुर विधानसभा क्षेत्र की जीवन रेखा मानी जाने वाली पीली नदी के जीर्णोद्धार कार्य के पूर्ण होने के उपरान्त विधायक बदलापुर रमेश चंद्र मिश्र ने जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र के साथ रविवार सायं पीली नदी का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान देवरिया गांव स्थित मई पुल पर पहुंचे, जहां उन्होंने 200 वर्ष पुराने शिव मंदिर के पुनर्निर्माण कार्य का अवलोकन किया और शिवलिंग पर जलाभिषेक कर पूजा–अर्चना भी की। इस दौरान ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं ने भजन–कीर्तन कर माहौल को भक्तिमय बना दिया। ग्रामीणों ने अतिथिगण का फूल–मालाओं से भव्य स्वागत किया और उनके प्रयासों की सराहना की और कहा कि आपने इस नदी को नया जीवन देकर हम सबका दिल जीत लिया है। निरीक्षण के बाद मा0 विधायक और जिलाधिकारी ने ग्रामीणों में प्रसाद वितरित किया। विधायक बदलापुर ने कहा कि प्रधानमन्त्रीजी और मुख्यमंत्री जी ने नदियों का संरक्षित करने के लिए अभियान चलाया है। उन्होने आह्वाहन किया है कि प्रत्येक जनपद में एक नदी संरक्षित की जाए। जिसके क्रम में पीली नदी को चिन्हित करते हुए जनसहभागिता के आधार पर पुनर्जीवित किया गया है। पीली नदी को संरक्षित और पुनर्जीवित करने के लिए गत 11 जून 2025 को जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी और अन्य अधिकारियों के साथ बैठक कर कार्य योजना तैयार कराई। जिलाधिकारी के द्वारा कई बार निरीक्षण भी किया गया। उनके कुशल निर्देशन में करीब 25 वर्षों से सूख चुकी पीली नदी अब फिर से प्रवाहित हो रही है। विधायक ने कहा कि नदी के संरक्षित हो जाने से पशु पक्षी मनुष्य सबकों लाभ प्राप्त होगा। इस नदी के किनारे लगभग 51 हजार पौधे लगाये जाने का भी लक्ष्य रखा गया है। नदी के किनारे मन्दिर के जीर्णोद्धार का कार्य जिलाधिकारी के कुशल निर्देशन में कराया गया है, जिसके लिए उन्हे अनवरत समय तक याद किया जायेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन के द्वारा एक जनपद एक नदी के जीर्णोद्धार का लक्ष्य रखा गया था जिसके क्रम में पीली नदी का चयन किया गया, क्योकि ये क्षेत्र डार्क जोन में आता है। अधिकारियों के साथ कई बैठके आयोजित कर रणनीति तैयार किया गया। जिलाधिकारी के नेतृत्व में और विधायक जी के संरक्षण में सभी अधिकारियों ने सराहनीय कार्य किया गया। पीली नदी के पुनर्जीवन को लेकर क्षेत्र में हर्ष और उत्साह का वातावरण है। ग्रामीणों का मानना है कि यह कार्य ऐतिहासिक पहल है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी योगिता सिंह, स्थानीय ग्रामीणों के साथ प्रशासनिक अधिकारी, स्थानीय पदाधिकारी और सामाजिक कार्यकर्ता सहित अन्य उपस्थित रहे।

श्रावण मास के तीसरे सोमवार को झमाझम बारिश के बीच भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने किया दर्शन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर।श्रावण मास के तीसरे सोमवार को झमाझम बारिश के बीच भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक दर्शन पूजन।स्थानीय थाना क्षेत्र में स्थित प्राचीन स्वयंभू सारनाथ महादेव मंदिर में सावन माह के तीसरे सोमवार को भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। झमाझम बारिश के बीच भोर 4 बजे से श्रद्धालुओं का आना जाना लगा है। सभी श्रद्धालु लाइन में कतार बंद तरीके से जलाभिषेक कर रहे।श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था में भारी पुलिस बल तैनात हैं।सुरक्षा व्यवस्था चाक–चौबंद रहा। श्रद्धालुओ को कतार बंद दर्शन पूजन कराया जा रहा। थानाध्यक्ष विक्रम लक्ष्मण सिंह भारी पुलिस बल के साथ मेले में लगातार भ्रमण करते रहे।मेले को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस बल लगातार लगें रहे। मंदिर पुजारिन संरक्षिका माला शुक्ला ने बताया कि झमाझम बारिश के बीच श्रद्धालुओं को जलाभिषेक कराने के लिए पुलिस बल तैनात हैं। सुरक्षा व्यवस्था के बीच श्रद्धालु दर्शन पूजा कर रहे हैं

कारगिल के वीरों को समर्पित रक्तदान शिविर का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर कारगिल विजय दिवस के अवसर पर भारत माता के वीर सपूतों को नमन करते हुए सामाजिक संस्था ठाकुरबाड़ी महिला विकास कल्याण समिति के द्वारा रक्तदान शिविर एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन विभिन्न जगहो जनपदों में किया गया संस्था के शाखा कार्यालय साधनापूरी छपरा के द्वारा जिला अस्पताल पर आयोजित रक्तदान शिविर में दर्जनों लोगों ने भाग लिया देश के वीरों को समर्पित इस कार्यक्रम में संस्था प्रमुख डॉ अंजू सिंह डॉक्टर अलका सिंह डॉक्टर रत्नेश्वर प्रसाद सिंह सीडीओ डॉ किरण ओझा कुमार अमित धरमवीर अविनाश कुमार पूनम कुमारी मनी शाही प्रीति आदि उपस्थित रहे वही जिला बस्ती में भी संस्था ने युवा संगठन भदेसर नाथ एवं सेवा ब्लड सेंटर के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन मंदिर के प्रांगण में किया जिसमें वहां के गणमान्य लोग प्रतिष्ठित समाजसेवी तेज प्रताप सिंह संतोष सिंह अभिषेक रुपेश सिंह अंकित मिश्रा आदि उपस्थित रहे संस्था की ओर से रितिका सिंह तनु द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया जौनपुर जनपद में भी संस्था द्वारा शीघ्र ही शहीदों के सम्मान में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन प्रस्तावित है

रुद्राभिषेक के वैदिक मंत्रों से गुंजा वसई का बसंत नगरी

देश की उपासना
ब्यूरो धनन्जय विश्वकर्मा

महाराष्ट्रध्वसईरू श्रावण मास में, वसई पूर्व की बसंत नगरी के एवरेस्ट टावर में महादेव भगवान शिव का भव्य रुद्राभिषेक किया गया। विश्वकर्मा चौरिटेबल संस्था वसई के अध्यक्ष राजेंद्र विश्वकर्मा ने इस पूजा का आयोजन एवरेस्ट टावर के सी विंग 703 में किया। पंडित श्री कृष्णाचार्य महाराज ने वैदिक मंत्रों के साथ इस रुद्राभिषेक को संपन्न कराया, जिसमें सैकड़ों शिव भक्तों ने भाग लिया और भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया। राजेंद्र विश्वकर्मा ने बताया कि उन्होंने भगवान शिव की उपासना अपनी मन की शांति और सुख–समृद्धि के लिए की। यह माना जाता है कि सावन के महीने में भगवान शिव का रुद्राभिषेक करने से व्यक्ति जीवन में सफलता प्राप्त करता है और उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। शिवपुराण के अनुसार, सही विधि और मंत्रों के साथ किया गया रुद्राभिषेक भक्तों की हर इच्छा पूरी करता है, खासकर जब कोई काम अटका हुआ हो या कोई विशेष मनोकामना हो।

जलाभिषेक और रुद्राभिषेक में अंतर पंडित श्री कृष्णाचार्य जी महाराज ने स्पष्ट किया कि जलाभिषेक और रुद्राभिषेक दोनों अलग–अलग हैं। जलाभिषेक में शिवलिंग पर केवल जल चढ़ाया जाता है, जिससे भगवान शिव को शीतलता मिलती है। वहीं, रुद्राभिषेक में वैदिक मंत्रों और विशेष पूजन सामग्री का उपयोग किया जाता है। इस शुभ अवसर पर निशा विश्वकर्मा, मनीषा, यशु, विश्वकर्मा चेरिटेबल संस्था के समस्त पदाधिकारी अध्यक्ष राजेंद्र विश्वकर्मा, उपाध्यक्ष राधेश्याम विश्वकर्मा,सचिव अखिलेश विश्वकर्मा , रवि विश्वकर्मा, उद्योगपति राजकुमार विश्वकर्मा ,कलिना समिति से प्रविंद विश्वकर्मा, नालासोपारा से भगवती शर्मा, राजकुमार विश्वकर्मा,अरविंद शर्मा, एकार्थी फाउंडेशन के संरक्षक राजमणि विश्वकर्मा चाचा, अध्यक्ष दिनेश विश्वकर्मा, राजकुमार विश्वकर्मा, आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।